केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

दूसरों की गलतियों से सीखने में ही समझदारी है, जिंदगी इतनी भी बड़ी नही की सारी गलतियां खुद कर के सीखा जाए

वर्ष : 17 अंक : 03 | उज्जैन, शनिवार 13 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

बेहतर कानून व्यवस्था के लिए वरिष्ठ अधिकारी भी रहें मुस्तैद : मुख्यमंत्री

शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदलते दौर में पुलिस बल को नई चुनौतियों से निपटने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। अपराधों के अन्वेषण का दायित्व निभाने वाले विवेचना अधिकारियों को अन्वेषण भत्ता भी मिले, इस दृष्टि से अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। इस क्षेत्र में अपराध स्थल पर त्वरित पहुंच, सुरक्षा व्यवस्था, साक्ष्य संकलन, अभियुक्त गवाह और पीड़ित के परिवहन, भोजन आदि के साथ फोटोग्राफी -वीडियोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य संग्रह, न्यायलीन प्रक्रिया से जुड़े आकस्मिक खर्च देखते हुए मध्यप्रदेश में अन्वेषण भत्ता लागू किए जाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में निर्देश दिए कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षक स्तर तक सजगता और सक्रियता से भूमिका निभाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में गृह विभाग की समीक्षा में कहा कि सायबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गृह विभाग द्वारा आईटी कंसल्टेंट की सेवाएं लेने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। बैठक में सिंहस्थ-2028 के लिए भीड़ प्रबंधन, कानून व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपदा प्रबंधन के उद्देश्य से आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से विभिन्न कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को इस तरह पूर्ण किया जाए ताकि उनका स्थाई महत्व और प्रभाव रहे। उज्जैन में अनेक बाबा महाकाल मंदिर सहित देव स्थान हैं। सभी व्यवस्थाओं को तात्कालिक के स्थान पर स्थायी अधोसंरचना के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बसंत पंचमी और हाल ही में भोजशाला से संबंधित प्रसंग में पुलिस बल की सजग सक्रिय भूमिका के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और फोर्स के अन्य सदस्यों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस द्वारा किए जा रहे नवाचार सराहनीय हैं। राज्य को नक्सल मुक्त बनाने, आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, अन्य विभागों के सहयोग से सुगम परिवहन सुनिश्चित करने, अग्निशमन इकाईयों को सहयोग, एयर एम्बुलेंस के उपयोग में सहयोग, सैनिक कल्याण प्रयासों को बढ़ाने के कार्य सराहनीय हैं। इसके साथ ही खुले स्थानों में मांस विक्रय पर प्रतिबंध और तेज ध्वनि में स्पीकर आदि के प्रयोग को नियंत्रित करने के निर्देशों का भी निरंतर पालन किया गया है। यह व्यवस्थाएं सुचारू बनी रहें, इसके लिए विभाग का अमला सक्रिय रहे।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव गृह श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा, एडीजी श्री ए. साई मनोहर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मध्यप्रदेश पुलिस चयन और भर्ती बोर्ड के गठन की पहल, सायबर अपराधों, सोशल मीडिया आधारित गतिविधियों और अपराधों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) के बढ़ते दुरूपयोग के प्रभावी विशलेषण के लिए राज्य सायबर सेल ने विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही काउंटर टेररिस्ट ग्रुप की संरचना और बल में वृद्धि, राज्य स्तरीय उन्नत प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से एटीएस,एसटीएफ, हॉक फोर्स और अन्य विशिष्ट इकाईयों के लिए क्षमता संवर्धन प्रबंध, जिला स्तर पर सीन ऑफ क्राइम मोबाइल इकाई के संचालन के प्रावधान, वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने, एआई का प्रयोग कर सेफगार्ड एमपी प्रणाली के माध्यम से बुजुर्गों, कमजोर व्यक्तियों, महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में एक नई तरह की पहल करने के संबंध में भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश- पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारी मुस्तैद रहें।

शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें।

गौवंश रक्षा पर पूरा ध्यान दें, उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त एक्शन हो।

भू-माफिया के विरूद्ध कार्यवाही सख्त हो। अपराधियों की सम्पत्ति कुर्क करने में पीछे न रहें। संगठित अपराधियों पर निरंतर नजर रखी जाएं। मुखबिर तंत्र सशक्त रहना चाहिए।

राज्य में ई-चालान व्यवस्था और ई-साक्ष्य जैसे उपायों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। आईटी के अधिकतम प्रयोग से अपराधों के नियंत्रण और जांच कार्य में आसानी लाएं जिससे कि मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी बने।

प्रतिदिन ग्रामों से दूध ,सब्जी आदि लाने वाले किसानों को कृषक कल्याण वर्ष में जीवन रक्षा के लिए हेलमेट प्रदान किए जा रहे हैं। पुलिस विभाग ऐसे अभिनव प्रयोग में सहयोगी बने और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए उपयोगी हेलमेट के इस्तेमाल के लिए नागरिकों को जागरूक करने का अभियान जारी रखे।

पुलिसकर्मियों के लिए अपने आवास अर्थात आशियाने की व्यवस्था करने में गृह विभाग आवश्यक सहयोग दे। पुलिस लाइन्स में आवास गृहों की व्यवस्था और पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा नए आवास गृहों के निर्माण करवाने के साथ ही वैकल्पिक व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, ताकि कम व्यय पर पुलिस जवानों को मकान उपलब्ध हो सके।

विभाग के श्रेष्ठ कार्य करने वालों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया जाए।

प्रदेश में नशा विरोधी अभियान निरंतर संचालित करें। युवाओं को हर हालत में नशे से बचाना है।

सिंहस्थ 2028 में सुरक्षा उपकरणों के साथ ही पार्किंग, परिवहन और भीड़ प्रबंधन के लिए बेहतर व्यवस्थाएं बनाएं।

न्यूज ब्रीफ

लव जिहाद के विरोध में हिंदू संगठनों का जमावड़ा, छावनी में तब्दील हुआ इलाका

उदयपुर/ जीएनएस। राजस्थान में राजसमंद जिले के भीम कस्बे में नाबालिग किशोरी के अपहरण और मतांतरण के प्रयास के मामले को लेकर गुरुवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। लव जिहाद के विरोध में हिंदू संगठनों के आह्वान पर भीम कस्बा पूरी तरह बंद रहा, जबकि हनुमान मंदिर के बाहर हजारों लोगों ने महापड़ाव डालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को मौके पर बुलाने तथा मामले में कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने भीम कस्बे को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया। सात थानों की पुलिस को विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। उपखंड अधिकारी और डीएसपी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि लगातार प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर रहे हैं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक धरना जारी था। आरोप है कि मुस्लिम युवक ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हिंदू समाज की एक नाबालिग किशोरी से संपर्क स्थापित किया। बाद में आरोपित उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उस पर मतांतरण का दबाव बनाने लगा। मामले की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों ने विरोध जताया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला और एक युवक को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग को डिटेन किया है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपितों को बचाने का प्रयास किया। इसी विरोध में कस्बे के व्यापारियों ने स्वेच्छा से बाजार बंद रखा। फल-सब्जी मंडी सहित अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि मेडिकल स्टोर, अस्पताल, एंबुलेंस और आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई।

अमित शाह का बड़ा एलानः अगले साल AFSPA में बड़ी छूट

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को घोषणा की कि अगले साल तक पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में से एक-दो राज्यों को छोड़कर बाकी जगहों से AFSPA (आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पॉवर्स एक्ट) हटाया जा सकता है। असम-नागालैंड सीमा पर त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर के मौके पर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 2019 के बाद से दर्जन भर शांति समझौते हुए हैं, हिंसक घटनाओं में 80% की कमी आई है और AFSPA वाले क्षेत्र भी 80% तक घट गए हैं। असम और नागालैंड सरकार के साथ केंद्र का यह ऐतिहासिक समझौता विवादित क्षेत्र में तेल और खनिज अन्वेषण की राह खोलेगा। यह क्षेत्र पिछले तीन दशक से अधिकार क्षेत्र के विवाद के कारण बंद पड़ा था। अमित शाह ने कहा कि इस एक एमओयू से 1,000-1,500 बैरल प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता को 10 गुना बढ़ाया जा सकता है। सिर्फ एक क्षेत्र से ही 15,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संभावित रिकवरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर को आगे बढ़ाएगा और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ऊर्जा संकट के समय देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। अमित शाह ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और नागालैंड के मुख्यमंत्री नीफ्यू रियो की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सहकारी संघवाद का बेहतरीन उदाहरण है। वर्तमान में AFSPA मणिपुर, नागालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में लागू है, लेकिन डिस्टर्ब्ड एरिया का दायरा काफी कम हो गया है। शाह ने स्पष्ट नहीं किया कि कौन से एक-दो राज्य बाकी रहेंगे, लेकिन संभावना मणिपुर और नागालैंड की है।

अन्ना हजारे के गांव में सेना ने स्थापित किया टी-55 टैंक, भारत-पाकिस्तान युद्धों में दुश्मन के छुड़ा दिए थे छक्के

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना का सेवामुक्त टी-55 टैंक महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे के गांव रालेगण सिद्धि में स्थापित किया गया। यह टैंक भारत-पाकिस्तान के 1965 और 1971 के युद्धों में अपनी सेवाएं दे चुका है।

हजारे ने टैंक स्थापित करने के लिए सरकार का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों और आगंतुकों दोनों को प्रेरणा मिलेगी।

भारतीय सेना में सेवा दे चुके अन्ना ने कहा कि रक्षा मंत्रालय द्वारा दिया गया यह टैंक गांव के लोगों और रालेगण सिद्धि घूमने आने वाले सैलानियों को प्रेरित करेगा।

इस टैंक ने 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों के दौरान युद्धक्षेत्र में असाधारण शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन किया था। एक ग्रामीण के अनुसार, गांव में प्रदर्शन के लिए एक टैंक लाने की कोशिशें लंबे समय से की जा रही थीं। अन्ना हजारे के जन्मदिन से कुछ दिन पहले ही टैंक मिलना गांव के लिए बहुत खुशी की बात है।

चित्तौड़ दुर्ग में 209 अवैध निर्माण चिन्हित, होटल-रेस्टोरेंट भी जांच के दायरे में

नई दिल्ली/ जीएनएस। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग में वर्षों से हो रहे अतिक्रमण और अवैध निर्माणों पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने दुर्ग क्षेत्र में 209 से अधिक आवासीय एवं व्यावसायिक अतिक्रमणों की पहचान की है। इनमें बड़ी संख्या में कच्चे निर्माणों के अलावा होटल, रेस्टोरेंट और अन्य पक्के व्यावसायिक निर्माण भी शामिल हैं।

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि दुर्ग क्षेत्र में चल रहे सभी अवैध निर्माण कार्यों को तत्काल प्रभाव से रोकने, संबंधित मामलों में एफआईआर दर्ज कराने तथा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही पुरातत्व विभाग को पूर्व में जारी नोटिसों पर सख्ती से कार्रवाई आगे बढ़ाने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 के बाद बने सात से आठ व्यावसायिक अतिक्रमणों का राजस्व विभाग द्वारा भी सत्यापन किया गया है। वर्ष 2024 में एएसआई ने ऐसे मामलों में 67 नोटिस जारी किए थे।

एएसआई के संरक्षण सहायक प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि दुर्ग क्षेत्र प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित है। यहां केंद्र सरकार की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का निर्माण, पुनर्निर्माण या मरम्मत प्रतिबंधित है। इसके बावजूद 200 से अधिक कच्चे अतिक्रमणों के साथ कई होटल, रेस्टोरेंट और हैंडीक्राफ्ट भवन अवैध रूप से निर्मित पाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सभी संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। डेमोलिशन से संबंधित फाइल जोधपुर क्षेत्रीय कार्यालय और दिल्ली स्थित मुख्यालय भेजी गई है। स्वीकृति मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। नियमों के तहत अवैध निर्माण हटाने की लागत संबंधित व्यक्ति से वसूली जा सकती है, साथ ही एक लाख रुपए से अधिक जुर्माना और दो वर्ष तक की सजा का भी प्रावधान है।

भारतीय सेना की नई मांग से टल सकती है जोरावर टैंक की एंट्री

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और चीन सीमा (एलएसी) पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए तैयार हो रहा भारत का पहला स्वदेशी लाइट टैंक %जोरावर% अब कुछ देरी से सेना में शामिल हो सकता है। भारतीय सेना ने इस टैंक की सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए इसमें अतिरिक्त सुरक्षा कवच लगाने की मांग की है। इस नए बदलाव की वजह से जो टैंक साल 2027 तक सेना में आने वाला था, अब उसके लिए 2028 या 2029 तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

समझिए क्या है देरी की मुख्य वजह - मिली जानकारी के अनुसार भारतीय सेना चाहती है कि जोरावर टैंक को स्टैनैग लेवल 4 से भी ज्यादा मजबूत सुरक्षा मिले। स्टैनैग नाटो द्वारा तय किया गया एक अंतरराष्ट्रीय पैमाना है, जो बताता है कि कोई टैंक दुश्मनों के हमलों को कितना झेल सकता है। इतना ही नहीं यह भारी मशीन गन की गोलियों और 10 किलो टीएनटी के बारूदी सुरंग धमाकों को आसानी से झेल सकता है। भारतीय सेना इसे और मजबूत बनाना चाहती है, ताकि यह दुश्मनों के 25mm से 30mm के तोप के गोलों और 155mm आर्टिलरी (तोपखाने) के हमलों के बावजूद सुरक्षित रहे।

वैज्ञानिकों के सामने वजन की बड़ी चुनौती- बता दें कि टैंक की सुरक्षा बढ़ाने के लिए उसमें भारी आर्मर (लोहे/कवच की परतें) जोड़नी होंगी, जिससे टैंक का वजन बढ़ेगा। लेकिन चुनौती यह है कि लद्दाख जैसे ऊंचे और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में तेजी से चलने के लिए इस टैंक का वजन 25 टन से कम रखना बेहद जरूरी है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और लार्सन एंड टुब्रो के इंजीनियर अब इसी गुत्थी को सुलझाने में जुटे हैं कि बिना वजन बढ़ाए टैंक को और ज्यादा मजबूत कैसे बनाया जाए।

गौरतलब है कि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ हुए गतिरोध के बाद भारत ने इस लाइट टैंक को बनाने का फैसला किया था, क्योंकि चीन ने वहां अपने टाइप-15 लाइट टैंक तैनात कर दिए थे। लद्दाख को जीतने वाले महान जनरल जोरावर सिंह के नाम पर बने इस टैंक की खूबियां लाजवाब हैं। इसे रिकॉर्ड 19 महीनों में विकसित किया गया है। यह चीन के टैंक से वजन में हल्का है, लेकिन मारक क्षमता में उसके बराबर या उससे बेहतर है।

रूप-रंग की वजह से कर दी छह साल की बेटी की हत्या?

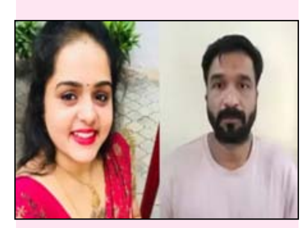

बेंगलुरु/ जीएनएस। बेंगलुरु पुलिस छह साल की बच्ची वेन्नेला की हत्या की जांच कर रही है। इस केस में एक नया पहलू सामने आया है। बच्ची की मौत से पहले मां प्रियंका और उसके प्रेमी मोहन ने इन विट्रो फर्टिलाइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

इसके साथ ही पुलिस एक अलग से सिरे से वेन्नेला की हत्या के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। प्रियंका पर आरोप है कि उसने बच्ची के रंग-रूप की वजह से हत्या कर दी।

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्रियंका और मोहन अस्पताल गए थे, जहां IVF प्रक्रिया के तहत एग सैंपल लिया गया था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या इन दोनों के नए परिवार शुरू करने की योजना के बाद का इन घटनाओं से कोई संबंध है या नहीं।

प्रियंका, जो मोहन के साथ मिलकर अपनी बेटी की हत्या की आरोपी है, उसे सात दिन की तलाश के बाद पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। प्रियंका को बेंगलुरु से करीब 220 किलोमीटर दूर हासन जिले के सकलेशपुर में एक फार्महाउस में पाया गया।

ठाणे में सड़क पर थूकने से रोकने पर कैब चालक ने बुजुर्ग पर किया हमला, गिरफ्तार

ठाणे/ जीएनएस। महाराष्ट्र के ठाणे में एक मॉल के पास थूकने का विरोध करने पर 70 वर्षीय बुजुर्ग से मारपीट करने वाले एक कैब चालक को गिरफ्तार किया गया है।

यह घटना विवियाना मॉल के पास जुपिटर हास्पिटल के बाहर मंगलवार शाम को हुई। इसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था।

पीड़ित की पहचान सरोश दस्तूर के रूप में हुई है। मंगलवार शाम वह अपनी पत्नी के साथ मॉल के पास थे। इसी समय उन्होंने ऑनलाइन कैब कंपनी से जुड़े एक चालक को सड़क पर थूकते हुए देखा।

जब दस्तूर ने चालक को इसके लिए टोका तो निशांत धर शुक्ला नामक आरोपित अपना आपा खो बैठा और उसने बुजुर्ग को गालियां देते हुए पीटना शुरू कर दिया। उसने पत्थरों और पेड़ की टहनियों से भी बुजुर्ग के सिर पर हमला करने की कोशिश की।

इस बीच एक राजनीतिक दल के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने आरोपित चालक को खोज निकाला, उसकी पिटाई की और बाद में उसे ठाणे पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपित को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पीएम मोदी को धन्यवाद करके थलपति विजय ने किया 2047 के विकसित भारत का सपोर्ट, देश के आर्थिक हालात को भी सराहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाले मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने गुरुवार को नीति आयोग की बैठक में भाग लिया। इस बैठक के दौरान विजय ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने राज्य की स्थिति का ब्यौरा देते हुए भारत सरकार के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय ने प्रधानमंत्री के सामने कई बड़ी मांगे रखीं। इनमें इनफ्रास्ट्रक्चर से लेकर मछुआरों और युवाओं का सहयोग करना शामिल है। उन्होंने नीट मुद्दे पर भी डीएमके सरकार के रुख को ही अपनाया। कार्यकाल के पहले ही दिन महिलाओं के लिए फैसला लेने वाले विजय ने प्रधानमंत्री के राज्य में महिलाओं की बेहतर होती स्थिति पर भी बात की।

नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक के दौरान सीएम विजय ने प्रधानमंत्री के सामने खुलकर अपना भाषण दिया। प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद करते हुए विजय ने अपना भाषण शुरू किया और कहा कि तमिलनाजु राष्ट्र की आकांक्षाओं का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु पूरी ताकत के साथ इस बात को मानता है कि विकसित भारत का लक्ष्य ताकतवार राज्यों और सहकारी संघवाद के जरिए ही संभव है। तमिलनाडु की जनता ने हमारी सरकार को एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है। हम केंद्र सरकार के साथ रचनात्मक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं इसके साथ ही तमिलनाडु के हितों और आकांक्षाओं की रक्षा के लिए भी संकल्पित हैं।

इसके बाद राज्य की आर्थिक हालात पर बात करते हुए थलपति विजय ने भारत की आर्थिक गति की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। तमिलनाडु भी 2036 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की तरफ आगे बढ़ रहा है। यह 2047 तक भारत के विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति भी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

प्रधानमंत्री के सामने अपने भाषण के दौरान विजय ने युवा शक्ति को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी युवा शक्ति है। तमिलनाडु इस युवा शक्ति का उपयोग करने के लिए शिक्षा, स्किल, रिसर्च और रोजगार में लगातार निवेश कर रहा है।

विश्व योग दिवस 21 जून को - होंगे भव्य योग कार्यक्रम

भारत में विश्व रिकॉर्ड के लिए 14 जून को होगा ऑनलाइन योग सत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्टीय योग दिवस 2026 के अवसर पर 21 जून को देशभर में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष योग दिवस को विशेष और ऐतिहासिक बनाने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा Habuild Healthtech Pvt. Ltd. के सहयोग से एक विशेष गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14 जून 2026 को प्रातः 6ः15 बजे से सुबह 7ः35 बजे तक आयुष मंत्रालय के यूट्यूब प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें एक साथ सर्वाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से भारत को एक नया विश्व रिकॉर्ड दिलाने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है। देशभर के नागरिकों, योग साधकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों सहित सभी वर्गों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इच्छुक प्रतिभागियों को टोल-फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन कराना होगा। पंजीयन के पश्चात प्रतिभागियों को व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से ऑनलाइन योग सत्र का लिंक प्राप्त होगा। रिकॉर्ड प्रयास के दिन प्रत्येक प्रतिभागी को अपने व्यक्तिगत मोबाइल, लैपटॉप अथवा अन्य डिजिटल उपकरण से अलग-अलग लॉग-इन करना आवश्यक होगा, क्योंकि प्रत्येक पंजीकृत डिवाइस को आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाएगा।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता कर नागरिक न केवल स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, शासकीय कर्मचारियों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों तथा योग अभ्यासकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वे स्वयं पंजीयन कर कार्यक्रम में भाग लें तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यदि किसी कारणवश मिस्ड कॉल के माध्यम से पंजीयन नहीं हो पाता है, तो इच्छुक प्रतिभागी लिंक https://moa.habit.yoga/ पर ऑनलाइन माध्यम से भी अपना पंजीयन करा सकते हैं।

संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि 14 जून को आयोजित ऑनलाइन योग कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास से संबंधित प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर भारत को विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने में सहयोग देने की अपील की है।

राजनाथ सिंह के रिश्तेदार की दर्दनाक मौत, कार से उतरते ही बस ने कुचला; ड्राइवर फरार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के करीबी रिश्तेदार की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस अधिकारी और बीजेपी नेता पहुंच गए थे। पुलिस के अनुसार घटना इंदौर क्षिप्रा के बीच की है। 29 वर्षीय प्रशांत सिंह की दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के निवासी प्रशांत सिंह अपने तीन परिचितों के साथ कार से यात्रा कर रहे थे। देर रात करीब 11 बजे शिप्रा क्षेत्र में एक स्थान पर उनकी कार रुकी। प्रशांत सिंह जैसे ही कार से नीचे उतरे। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

बस चालक फरार- टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रशांत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बस चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने किया अस्पताल का दौरा- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अरबिंदो अस्पताल भेजा गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। हादसे की जानकारी भोपाल और दिल्ली तक पहुंचते ही प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल और घटनास्थल का दौरा कर पूरे मामले की जानकारी ली।

एयर लिफ्ट से शव को दिल्ली भेजने की तैयारी- बताया जा रहा है कि प्रशांत सिंह, प्रदीप सिंह के पुत्र थे और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रेवती क्षेत्र स्थित गायघाट के निवासी थे। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

भारतीय डाक विभाग स्पीड पोस्ट एवं पार्सल सेवाओं के विस्तार के लिए देगा फ्रेंचाइजी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय डाक विभाग द्वारा आमजन तक डाक सेवाओं की पहुंच को अधिक सुलभ, प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से डाक फ्रेंचाइजी योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर डाक मंडल के अंतर्गत स्पीड पोस्ट एवं पार्सल सेवाओं के विस्तार के लिए इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं को फ्रेंचाइजी दी जाएगी। इस डाक फ्रेंचाइजी हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक द्वारा बताया गया कि इच्छुक आवेदक के पास उपयुक्त कार्यस्थल, कंप्यूटर संचालन का मूलभूत ज्ञान तथा ग्राहकों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने की क्षमता होना आवश्यक है। चयनित फ्रेंचाइजी को डाक विभाग द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप सेवाएं संचालित करनी होंगी। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्था अपने आवेदन अंतिम तिथि 25 जून 2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। फ्रेंचाइजी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र निकटतम प्रधान डाकघर/उप डाकघर अथवा प्रवर अधीक्षक डाकघर इंदौर मंडल कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

लोकतंत्र सैनानी सम्मेलन 26 जून को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार 26 जून 2026 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में लोकतंत्र सैनानी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जिले के समस्त लोकतंत्र सैनानियों से अपील की गई है कि वे अपने परिवार सहित सम्मेलन में अनिवार्य रूप से सहभागिता करें। साथ ही जिन लोकतंत्र सैनानियों का स्वर्गवास हो चुका है, उनके परिवारजनों से भी कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

इंदौर के डायल-112 हीरोज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के थाना चन्दन नगर क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं तत्पर कार्यवाही से घर का रास्ता भटकी 04 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय रहते की गई सहायता से बालिका सकुशल अपने परिवार तक पहुँच सकी। 10 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना चन्दन नगर क्षेत्र अंतर्गत राजनगर स्थित सांवरिया टेंट हाउस के पास एक छोटी बच्ची अकेली मिली है, जो घर का रास्ता भटक गई है तथा पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल चन्दन नगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री विपिन रघुवंशी, आरक्षक श्री अनिल एवं पायलट श्री पंकज पांडे ने मौके पर पहुँचकर बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। डायल-112 जवानों ने बच्ची से उसके परिजनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया।

जल संरक्षण और सौर ऊर्जा अभियान का दिखने लगा असर, महापौर ने वार्ड-34 में किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान का सकारात्मक प्रभाव अब दिखाई देने लगा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा लगातार नागरिकों के बीच पहुंचकर किए जा रहे संवाद और जागरूकता प्रयासों के परिणामस्वरूप लोग अपने घरों एवं आवासीय परिसरों में जल संरक्षण और सौर ऊर्जा से जुड़े नवाचारों को अपनाने लगे हैं।

इसी क्रम में महापौर ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक-34 का दौरा कर क्षेत्र में संचालित जल संरक्षण एवं सौर ऊर्जा संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिव वाटिका पहुंचकर स्थानीय रहवासियों द्वारा विकसित किए गए जल संरक्षण मॉडल का अवलोकन किया। यहां रहवासियों ने गार्डन परिसर में एक कुएं का निर्माण कराया है, जिसमें रिचार्ज शाफ्ट के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण किया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस व्यवस्था के कारण क्षेत्र में भूजल स्तर बना रहता है और आसपास की बोरिंग भी सूखती नहीं हैं। महापौर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है और स्थानीय रहवासियों का यह प्रयास अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने नागरिकों से वर्षा जल संचयन को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद सीमा संजय चौधरी, महापौर प्रतिनिधि महेंद्र ठाकुर, नगर निगम के संबंधित अधिकारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित रहे।

दौरे के दौरान महापौर ने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भी नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से न केवल बिजली की बचत होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। शहर में अब अनेक परिवार अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर स्वयं बिजली उत्पादन कर रहे हैं, जो एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

महापौर ने वार्ड के ऐसे परिवारों के घरों का भी दौरा किया, जहां सोलर पैनलों के माध्यम से बिजली उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने परिवारों से चर्चा कर सौर ऊर्जा के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। साथ ही अन्य नागरिकों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव अपने संकल्प के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को ई-वाहन अथवा सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर अपने दैनिक कार्यों का निर्वहन करते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भी उन्होंने ई-ऑटो रिक्शा से शहर का भ्रमण किया और विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उनका यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वर्षाकाल से पहले जल निकासी व्यवस्थाओं का आयुक्त ने लिया जायजा, जलभराव रोकने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं।

आयुक्त ने बीआरटीएस कॉरिडोर, दैनिक भास्कर प्रेस के सामने का क्षेत्र, लोटस चौराहा, विजय नगर चौराहा, रोबोट चौराहा सहित अन्य संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर स्टॉर्म वॉटर लाइन, ड्रेनेज नेटवर्क एवं चैंबरों की सफाई कार्यों का स्थल पर निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी तंत्र को पूरी तरह कार्यशील बनाए रखने के लिए नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा अवरुद्ध पाइप लाइनों को तत्काल दुरुस्त किया जाए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। वर्षा प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां कहीं जल निकासी में बाधा उत्पन्न होने की संभावना हो, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग करें। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री लक्ष्मीकांत वाजपेई, संबंधित जोनल अधिकारी एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएससी और यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले ओबीसी के युवाओं को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के तहत म.प्र. राज्य लोक सेवा परीक्षा (पीएससी) या संघ लोक सेवा परीक्षा (यूपीएससी) उत्तीर्ण करने पर प्रोत?साहन राशि दी जाएगी। परीक्षा के किसी भी चरण को प्रथम बार उत्तीर्ण किया हो तथा जिनकी परिवार की सकल स्त्रोतों से आय राज्य लोक सेवा परीक्षा में 3 लाख एवं संघ लोक सेवा परीक्षा में चयनित पिछड़ा वर्ग के अभ्यार्थियों को आय का कोई बंधन नहीं हैं, ऐसे अभ्यर्थियों को योजनान्तर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून है। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक डॉ. अनिल सोनी ने बताया कि योजना के प्रावधानों के अनुसार म.प्र. राज्य लोक सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 15 हजार, मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 25 हजार तथा अंतिम चयन पर 10 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान हैं। इसी प्रकार संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और अंतिम चयन पर क्रमशः 25 हजार, 50 हजार और 25 हजार इस प्रकार कुल एक लाख रुपये तक प्रदान किये जाते हैं।

कलेक्शन एजेंट का 30 लाख रुपये से भरा बैग छीनकर बदमाश फरार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 30 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट की घटना सामने आई। बर्तन व्यापारियों से नकदी का कलेक्शन कर लौट रहे एक एजेंट से एक्टिवा सवार दो बदमाशों ने पैसों से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। व्यापारियों से कलेक्शन कर लौट रहा था एजेंट- जानकारी के अनुसार कलेक्शन एजेंट मुकेश अग्रवाल गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे बर्तन बाजार और मोहनपुरा क्षेत्र के व्यापारियों से नकदी वसूल कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक्टिवा पर सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने धमकाते हुए उनके हाथ से नकदी से भरा बैग छीन लिया और तेजी से मौके से फरार हो गए। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दोनों आरोपी बैग छीनते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में लूट की पूरी योजना पहले से बनाई गई प्रतीत हो रही है। वारदात के बाद मुकेश अग्रवाल रात करीब नौ बजे पंढरीनाथ थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी थाने पहुंच गए। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन थानों की पुलिस को लगाया गया है। करीब 25 पुलिसकर्मी आरोपियों की तलाश में जुटे हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कान्ह नदी का बदलेगा स्वरूप, 1200 मीटर क्षेत्र में विकसित होगा आधुनिक रिवर फ्रंट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की पहचान से जुड़ी कान्ह नदी को नया और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में नगर निगम द्वारा महत्वाकांक्षी रिवर फ्रंट परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। कृष्णपुरा पुल स्थित नगर निगम मुख्यालय से लेकर लोखंडे पुल तक लगभग 1200 मीटर क्षेत्र में रिवर फ्रंट विकसित किया जा रहा है, जिसके पूर्ण होने पर शहरवासियों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित नदी तट का अनुभव मिलेगा।

शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने परियोजना स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा कान्ह नदी के इस हिस्से को आधुनिक रिवर फ्रंट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है और निर्माण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार तेजी से आगे बढ़ रहा है।

महापौर ने बताया कि नगर निगम परिसर से लेकर लोखंडे पुल के आगे तक नदी के दोनों किनारों पर रिटेनिंग वॉल और वॉल पिचिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही नदी में मिलने वाले सीवरेज के ग्रे वॉटर को अलग प्रवाहित करने तथा उपचारित जल को नदी में छोड़ने की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। इससे नदी की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि परियोजना को वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है और निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है। हालांकि परियोजना को पूर्ण होने में अभी लगभग 15 माह का समय लगेगा, लेकिन इसके पूरा होने के बाद कान्ह नदी का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। साथ ही यह परियोजना जल प्रबंधन और संसाधनों के बेहतर उपयोग का एक प्रभावी मॉडल भी बनेगी।

महापौर ने मानसून को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा के दौरान जल प्रवाह बढ़ने की स्थिति में रिटेनिंग वॉल और पिचिंग कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। संबंधित इंजीनियरों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बारिश के दौरान किसी प्रकार की क्षति या व्यवधान उत्पन्न न हो।

महापौर ने कहा कि यह परियोजना केवल नदी के सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी पुनर्जीवन, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सतत विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से आने वाले समय में इंदौर को एक नई पहचान मिलेगी और शहर के नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', एमआईसी सदस्य राजेश उदावत तथा नगर निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिनेश कुमार वर्मा ने संभाला वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरओ) का पदभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय रेल विद्युत अभियंता सेवा (आईआरएसईई) के 2016 बैच के अधिकारी दिनेश कुमार वर्मा ने पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरओ) का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदभार ग्रहण करने से मंडल के विद्युत विभाग को अनुभवी और तकनीकी रूप से दक्ष नेतृत्व प्राप्त हुआ है।

दिनेश कुमार वर्मा ने वर्ष 2015 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने भारतीय रेलवे विद्युत अभियांत्रिकी संस्थान , नासिक में प्रशिक्षण प्राप्त कर भारतीय रेल सेवा में अपना करियर प्रारंभ किया।

उनकी पहली नियुक्ति फरवरी 2019 में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में सहायक विद्युत अभियंता के रूप में हुई। बाद में उन्होंने आसनसोल मंडल में मंडल विद्युत अभियंता प्रभारी के रूप में भी सफलतापूर्वक दायित्व निभाए। इस दौरान उन्होंने विद्युत परिसंपत्तियों के अनुरक्षण, ऊर्जा प्रबंधन और परिचालन दक्षता बढ़ाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

इसके पश्चात उन्होंने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट (मुंबई) में उप मुख्य विद्युत अभियंता (मुख्यालय) के पद पर कार्य किया।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं, नीतिगत कार्यों तथा विद्युत विभाग से जुड़े प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

रतलाम मंडल में वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरओ) के रूप में वे विद्युत परिचालन, कर्षण विद्युत अनुरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, विद्युत परिसंपत्तियों के कुशल प्रबंधन तथा विभागीय कार्यों के समन्वय से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

हीरो बनने भारत आया विदेशी युवक, मुंबई में चोरी हुआ सारा सामान; मुश्किल समय में इंदौरियों ने बढ़ाया मदद का हाथ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने और दुनिया को भारत की खूबसूरती दिखाने का सपना लेकर नीदरलैंड के एम्स्टर्डम से भारत आया एक युवा, पिछले पांच माह से देश के अलग-अलग शहरों में बेबसी की जिंदगी जी रहा था। मुंबई में बॉलीवुड में उसे काम नहीं मिला, जिससे उसका सपना टूट गया।

सामान चोरी और आर्थिक तंगी ने युवक को सड़कों पर रातें गुजारने पर भी मजबूर कर दिया। जब सारी उम्मीदें खत्म होती दिख रही थीं, तब इंदौर ने उसका हाथ थाम लिया। इंदौर की सड़कों पर मदद मांगते हुए मिले नीदरलैंड के नागरिक लुसियानो पेल्लेग्रिनी को गुरुवार को इंदौर से अपने देश एम्स्टर्डम भेजा गया। हवाई टिकट संस्था महाकाल सहित अन्य समाजसेवियों ने मिलकर करवाई।

खंडवा रोड पर बेबस बैठे विदेशी युवक की ऐसे हुई मदद- दरअसल चार जून की रात को लुसियानो खंडवा रोड पर बैठा था, तभी वहां से गुजर रहे इन्फ्लुएंसर अंश तिवारी ने उसे देखा। बातचीत की तो पता चला कि उसके पास रहने और खाने की व्यवस्था नहीं है। इसके बाद रहने के लिए होटल और खाने की व्यवस्था करवाई। इसके बाद सामाजिक संस्था के पास युवक को लेकर पहुंचे।

जय्यु जोशी ने बताया कि लुसियानो की हवाई यात्रा के लिए टिकट बुक समाजसेवियों की मदद से करवाई है। इंदौर से गुरुवार को रात 10.20 बजे फ्लाइट है जो मुंबई होते हुए शुक्रवार को 11.15 बजे एम्स्टर्डम पहुंचेगी। इसके लिए करीब 34000 रुपये का टिकट हुआ है। युवक के पास जुलाई तक का वीजा है।

अभिनेता बनने के लिए दोस्तों से उधार लिए थे पैसे- लुसियानो ने बताया कि भारत में वह अभिनेता बनने के सपने के साथ आया था, यहां आने के लिए उसने दोस्तों से रुपये उधार लिए थे। लेकिन मुंबई पहुंचने के बाद जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी। कई कास्टिंग एजेंसियों के चक्कर लगाने के दौरान सामान भी चोरी हो गया। वहां लोगों से मदद मांगी, लेकिन नहीं मिली।

इसके बाद मदद की तलाश में वह दिल्ली पहुंचा, लेकिन वहां भी उसे कोई सहारा नहीं मिला। इसके बाद वह इंदौर पहुंचा, लेकिन यहां आने के बाद भी उसकी परेशानियां खत्म नहीं हुई। जेब खाली थी और सिर पर छत नहीं थी। कई दिन उसने सड़कों पर गुजारे, भाषा की समस्या अलग थी। ऐसे में इंदौरियों ने उसकी स्थिति को समझा और मदद के लिए आगे आए।

भारतीय खाना नहीं जमेगा सोचकर खिलाया पसंदीदा भोजन- महाकाल संस्था सहित अन्य समाजसेवियों ने लुसियानो का अतिथि सत्कार किया। उसे होटल में ठहराने से लेकर भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की। भारतीय भोजन से सामंजस्य बैठाने में कठिनाई होने पर उसकी पसंद के अनुसार पिज्जा, बर्गर और अन्य भोजन भी उपलब्ध करवाया गया।

मंदसौर बस स्टैंड बना कचरा घर, यात्रियों और नागरिकों को हो रही भारी परेशानी

गौ सेवा के नाम पर बस स्टैंड परिसर में डाला जा रहा चारा, घुमंतू पशुओं और गंदगी से बिगड़ रही व्यवस्था

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों कचरा घर में तब्दील होता जा रहा है। बस स्टैंड परिसर स्थित मूत्रालय के पीछे आसपास के कुछ दुकानदारों द्वारा प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा डाला जा रहा है, जिससे वहां गंदगी का अंबार लग गया है। आश्चर्य की बात यह है कि नगरपालिका के सफाई अमले की मौजूदगी के बावजूद इस क्षेत्र की नियमित सफाई नहीं हो रही है। स्वतंत्र पत्रकार असअद अंसारी ने नगरपालिका प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए कहा है कि बस स्टैंड नगर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां प्रतिदिन हजारों यात्री आते-जाते हैं। गंदगी और दुर्गंध के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है तथा नगर की छवि भी धूमिल हो रही है।

उन्होंने कहा कि अब स्थिति यह हो गई है कि कुछ लोग गौशालाओं में जाकर गौ सेवा करने के बजाय बस स्टैंड परिसर में ही चारा डालकर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में घुमंतू गौवंश और अन्य पशु बस स्टैंड क्षेत्र में एकत्रित हो रहे हैं, जिससे यातायात और यात्रियों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अंसारी ने नगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड परिसर और मूत्रालय के पीछे फैली गंदगी को तत्काल हटाया जाए तथा वहां नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही घुमंतू पशुओं को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाकर उन्हें गौशालाओं में भेजने की व्यवस्था की जाए, ताकि बस स्टैंड परिसर स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बना रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो यह समस्या और अधिक गंभीर रूप धारण कर सकती है, जिसके लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

भगवान राम पर प्रश्न उठाने वालों को केवट ने दिया जवाब : गौरव अग्रवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने मध्यप्रदेश में संपन्न राज्यसभा चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित तीनों राज्यसभा सांसदों को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी एवं मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन की भगवान राम को लेकर की गई एक पुरानी टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। जारी प्रेस वक्तव्य में गौरव अग्रवाल ने कहा कि 12 फरवरी 2024 को पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए मीनाक्षी नटराजन द्वारा लिखे गए एक लेख में भगवान राम के संबंध में कुछ प्रश्न खड़े किए गए थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम भारतीय संस्कृति, मर्यादा, त्याग, तपस्या और आदर्श जीवन के प्रतीक हैं तथा करोड़ों लोगों की आस्था उनसे जुड़ी हुई है। अग्रवाल ने कहा कि उनके आराध्य भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। वे स्वयं किसी का प्रतिवाद नहीं करते, लेकिन जब-जब भगवान राम के आदर्शों और चरित्र पर प्रश्न उठाए जाते हैं, तब-तब हनुमान उनका उत्तर देते हैं, जामवंत और शबरी मां उनके पक्ष में खड़े होते हैं तथा केवट अपनी श्रद्धा और समर्पण से जवाब देते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम पर उठाए गए प्रश्नों का जवाब आज केवट ने दे दिया है और मीनाक्षी नटराजन की नैया को पार होने से रोक दिया है। यह भारतीय समाज की आस्था, विश्वास और सनातन मूल्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गौरव अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग और लोकमंगल की प्रेरणा हैं। इसलिए भगवान राम के चरित्र और मर्यादा पर उठने वाले प्रश्नों का उत्तर समय-समय पर समाज स्वयं देता आया है। उन्होंने राज्यसभा के लिए निर्वाचित सभी सांसदों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संसद में प्रदेश और देश के हितों की प्रभावी पैरवी करेंगे।

जिले के सभी नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले के सभी नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने, लंबित आवेदनों के निराकरण तथा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु विशेष व्यवस्थाएं की गई है। जिले की नगरपालिका नीमच तथा नगर परिषद मनासा, जावद, रामपुरा, सिंगोली, जीरन, डिकेन, रतनगढ़, कुकड़ेश्वर, नयागांव, अठाना एवं सरवानिया महाराज में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिकों उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया। शिविरों में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तहत पात्र रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को ऋण, ऋण पुनर्भुगतान, डिजिटल लेन-देन प्रोत्साहन एवं पीएम स्वनिधि से समृद्धि योजनाओं की जानकारी दी गई तथा नवीन आवेदन भी आमंत्रित लिए गये। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास संबंधी जानकारी देकर लंबित प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही की गई। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के संबंध में जानकारी देकर पात्र नागरिकों का पंजीयन किया गया तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने हेतु प्रेरित किया गया। शिविरों में शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों को दी गई।

सभी छात्रावासों में शतप्रतिशत सीटो पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें-श्री मालवीय

नीमच ।(सतीश सैन), म.प्र.राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय ने नीमच के सर्किट हाउस में शुक्रवार को आयोजित अधिकारियों की बैठक में अनुसूचित जाति कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में एडीएम श्री बी.एस.कलेश, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय, अ.जा.क.थाना प्रभारी सुश्री शब्बी मेव, अ.जा.कल्याण क्षेत्र संयोजक श्री प्रियतम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय ने जिले में संचालित अ.जा. छात्रावासों में निर्धारित सीट, विद्यार्थियों का प्रवेश एवं रिक्त सीटों की जानकारी ली। उन्होने निर्देश दिए, कि इस सत्र में सभी छात्रावासों में निर्धारित सभी सीटों पर प्रवेश दिलाया जाए। उन्होने आ.जा.क.वि.के अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे शालाओं और घर-घर सम्पर्क अभियान चलाकर छात्रावासों की सभी सीटो पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें। आयोग के सदस्य ने अ.जा.अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत तहत दर्ज प्रकरणों की संख्या और उन पर की गई कार्यवाही, राहत स्वीकृति आदि की भी जानकारी ली। आयोग के सदस्य श्री मालवीय ने कहा, कि अ.जा.वर्ग के विद्यार्थियों की आधार लिंकेज, अपडेशन आदि कारणों से लंबित छात्रवृत्ति का त्वरित भुगतान करवाया जाए।

बैठक में बताया गया, कि जिले में अ.जा.अत्याचार निवारण राहत योजना के तहत वर्ष 2026 में 87 प्रकरणों में 56.21 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। राहत स्वीकृति का काई भी प्रकरण लंबित नहीं है।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत 10 प्रकरणों में 2.70 लाख की प्रोत्साहन राशि स्वीकृति की गई है। अर्न्तरातिय विवाह योजना के तहत 17 प्रकरणों में प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है।

अ.जा.आयोग के सदस्य श्री मालवीय ने आयोग में लंबित शिकायतों के बारे में एक-एक प्रकरण पर चर्चा कर उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होने अ.जा.क.निरीक्षक को निर्देश दिए, कि आयोग को भेजने के लिए लंबित प्रतिवेदन अविलंब भेजे जाए। उन्होने बडवाह के एक आवेदक आशाराम वर्मा की शिकायत के प्रकरण में एक माह में जांच पूरी कर आयोग को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होने आयोग से प्रेषित लंबित सभी प्रकरणों में एक माह में जांच पूरी कर प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए है।

यूँ ही कोई दिग्विजय नहीं बन जाता, बड़ा संघर्ष और तपस्या से भरा है उनका पूरा जीवन -डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर

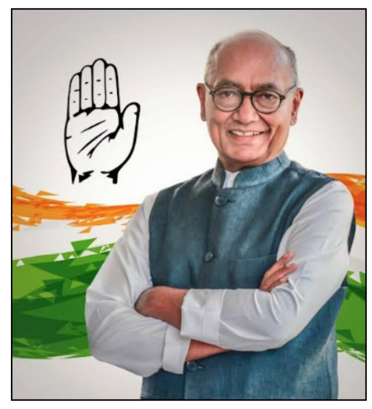

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यूँ ही कोई दिग्विजय नहीं बन जाता, बड़ा संघर्ष और तपस्या से भरा है उनका पूरा जीवन। यह बात डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर मन्दसौर ने कही है।

उन्होने कहा कि यह बात मध्य प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी के राजनीतिक सफर और उनके व्यक्तित्व को सटीक रूप से बयां करती है। अक्सर कविताओं और राजनीतिक चर्चाओं में यह ज़िक्र आता है कि दशकों तक सत्ता और विपक्ष की राजनीति में सक्रिय रहना, गाँव-गाँव की डगर नापना और लोगों के दिलों में उतरना किसी एक दिन का काम नहीं होता। दिग्विजय सिंह की राजनीतिक पहचान उन्हें अक्सर दिग्गी राजा के नाम से भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश के सबसे प्रभावशाली और अनुभवी कांग्रेस नेताओं में से एक हैं।

लंबा अनुभव - उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में दो कार्यकालों तक काम किया है।

रणनीतिक समझ- पार्टी में उन्हें एक कुशल रणनीतिकार माना जाता है और वे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति और चुनाव निगरानी जैसे महत्वपूर्ण दायित्व संभाल चुके हैं।

कार्यशैली- उनके बारे में अक्सर कहा जाता है कि वे कार्यकर्ताओं से सीधा जुड़ाव रखते हैं, शोषितों के अधिकार की बात करते हैं और हर परिस्थिति में डटे रहने का हौसला रखते हैं।

राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ाव - दिग्विजयसिंह जी का सफर विवादों और उपलब्धियों के बीच से होकर गुजरा है।

चुनौतियां - जहाँ एक ओर उनके फैसलों की तारीफ होती है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों द्वारा उनकी नीतियों और बयानों पर तीखे राजनीतिक हमले भी किए जाते हैं। लेकिन वह कभी विचलित नहीं होते।

वैचारिक प्रतिबद्धता- उनकी छवि एक ऐसे नेता की है जो कभी भी अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटता, चाहे सत्ता हो या विपक्ष, वे हमेशा अपनी बुद्धि और जुझारूपन से राजनीति में सक्रिय रहते हैं। उनका यह पूरा सफर उनके समर्थकों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत और विरोधियों के लिए चर्चा का विषय रहता है।

संभागायुक्त ने की समीक्षा, वीसी के माध्यम से लिया जायजा, सभी विभागों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में मानसून एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने तथा आपदा प्रबंधन के लिए पूर्ण तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देशित किया कि जिन मार्गों, पुलों एवं पुलियाओं पर वर्षा के दौरान जलभराव अथवा पानी का बहाव रहता है, वहां चेतावनी संबंधी साइन बोर्ड एवं संकेतक लगाए जाएं। जिले के कंट्रोल रूम को तत्काल सक्रिय कर चौबीसों घंटे संचालित रखा जाए तथा प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि स्थानीय गोताखोरों की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमों के साथ सतत समन्वय बनाए रखते हुए उन्हें हर समय सक्रिय रखा जाए। संभावित राहत शिविर स्थलों पर पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि जलमग्न मार्गों से लोगों की आवाजाही रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर चौकीदार एवं सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए। पुराने तालाबों, जलाशयों एवं संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा रेस्क्यू टीमों को पूर्ण रूप से तैयार रखा जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन से संबंधित किसी भी प्रकार की कमी अथवा आवश्यकता होने पर उसकी तत्काल पूर्ति की जाए। बैठक में कलेक्टर अदिती गर्ग ने जिले में रेलवे एवं एनएचएआई के इंटरसेक्शन तथा विभिन्न अंडरब्रिजों में वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से अवगत कराया। इस पर संबंधित विभागों को आवश्यक समन्वय एवं समाधानात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि की संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी विभागों को सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जिले में आयोजित हुए जनकल्याण शिविर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्र एवं प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 12 जून से 18 जून तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। शुक्रवार को जनपद पंचायत गरोठ एवं सीतामऊ तथा नगर परिषद शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, नगरी एवं नारायणगढ़ में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किए तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ भी प्रदान किया गया। जिले के सभी विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर तीन दिवसीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायतों में मंदसौर में 15 से 17 जून, मल्हारगढ़ में 16 से 18 जून, सीतामऊ में 12 से 14 जून, गरोठ में 12 से 14 जून तथा भानपुरा में 15 से 17 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित होंगे इसी प्रकार नगरीय निकायों में नगर पालिका मंदसौर में 15 से 18 जून, नगर परिषद नगरी, नारायणगढ़, सीतामऊ, सुवासरा एवं शामगढ़ में 12 से 16 जून, नगर परिषद मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, गरोठ, भानपुरा एवं भैंसोदा में 15 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम जनकल्याण शिविर में पहुंचकर शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

सी.एम.हेल्पलाईन में दर्ज शिकायत पर खाद्य सुरक्षा टीम ने की कार्यवाही

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग नीमच को 11 जून 26 को होटल बैरागी मंदसोर नाका मनासा जिला नीमच पर बासी खाना विक्रय करने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग नीमच की टीम ने सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 जून 26 को शिकायत में उल्लेखित उक्त होटल बैरागी मंदसोर नाका मनासा का आकस्मिक निरीक्षण कर, विक्रय हेतु अस्वच्छ परीस्थितियों में खाद्य रोटी, सब्जी, तुअर दाल, कचोरी, समोसे, भोजन आदि का निर्माण भंडारण,विक्रय होते पाया गया। खाद्य परिसर में पर्याप्त साफ सफाई नहीं पाई गई। मौके पर खाद्य पंजीयन प्रस्तुत किया जो केवल रिटेल खाद्य व्यवसाय करने का पाया गया, खाद्य निर्माण करने का वैध खाद्य पंजीयन नहीं पाया गया। टीम द्वारा मौके पर विक्रय हेतु निर्मित खाद्य खाद्य पदार्थ के कुल 3 नमूने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने बताया, कि उक्त कमियां पाए जाने से लोक स्वास्थ्य हित में उक्त खाद्य प्रतिष्ठान होटल बैरागी मंदसोर नाका मनासा जिला नीमच पर खाद्य निर्माण एवं विक्रय को बंद कराया एवं परिसर शटडाउन किया गया है।

नगरीय निकाय को एबीसी कार्यक्रम शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

गौशाला से पशु वापस लेने पर शुल्क तय, असंचालित गौशालाओं के संचालन हेतु सीएसआर से प्रस्ताव बनाने के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को पशु कल्याण समिति, पशु क्रूरता निवारण समिति एवं जिला गोपालन गौसंवर्धन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला पशु चिकित्सालय नीमच में छोटे पशुओं के उपचार हेतु शेड एवं प्लेटफार्म निर्माण तथा बड़े पशुओं के लिए ट्रेविस क्षेत्र एवं कास्टिंग एरिया निर्माण का अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार के निर्माण कार्य पशु चिकित्सालय परिसर मनासा में भी कराए जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि, पूर्व बैठक के निर्णयानुसार काऊ लिफ्टिंग मशीन तीनों विकासखंडों में वितरित कर दी गई है, जिसका पशुपालक लाभ ले रहे हैं।बैठक में जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव भी उपस्थित थे ।

श्वान नसबंदी कार्यक्रम- श्वानों में पशु जन्म नियंत्रण के तहत नसबंदी ऑपरेशन की दर 1700 रुपये प्रति ऑपरेशन निर्धारित की गई। साथ ही स्थानीय निकाय नीमच को एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम अतिशीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। निराश्रित गौवंश प्रबंधन- शहरी क्षेत्र में निराश्रित गौवंश को गौशाला में विस्थापन का कार्य निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए गए। गौशाला से पशु वापस प्राप्त करने के लिए 2500 रुपये की राशि निर्धारित की गई।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री गौशाला योजना तहत निर्मित असंचालित गौशालाओं में बिजली एवं पानी की व्यवस्था हेतु उपसंचालक को निर्देश दिए गए कि नए प्राक्कलन बनाकर प्रस्तुत करें, ताकि सीएसआर इत्यादि मदों से इन गौशालाओं का संचालन प्रारंभ किया जा सके निर्देश दिए कि वर्षा प्रारंभ होने के मद्देनजर गौशालाओं में कीचड़ मुक्त व्यवस्था, टीकाकरण एवं नियमित निगरानी की जाए। बैठक में उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वन विभाग की अवैध उत्खनन के विरुद्ध कार्यवाही

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध उत्खनन को लेकर वन विभाग द्वारा की गई कार्यवाही। वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकित भदोरिया ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि 11 एवं 12 जुन की रात्रि को वन परिक्षेत्र गरोठ के बीट शामगढ़ पूर्व के कक्ष क्रमांक प 15 में वन विभाग को मुखबिर द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि कुछ लोगो द्वारा पौधरोपण की फेंसिंग तोड़कर अवैध रूप से तालाब से काली मिटटी का उत्खनन किया जा रहा है। सुचना पाकर वन स्टाफ मौके पर गया और कार्यवाही कर दो ट्रेक्टर एवं एक मोटरसाइकिल जब्ती में ली गई। रात्रि का फायदा उठाकर अन्य वाहन निकलने में कामयाब रहे। वन परिक्षेत्र अधिकारी भदोरिया ने बताया कि प्रथम दृष्टिया ग्राम पंचायत परासली सरपंच गुमान सिंह के संरक्षण मे यह अवैध उत्खनन चल रहा था। भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 2 (4) 30, 33 (ख) (ग), 41,42,52 धाराओं में कार्यवाही प्रचलित है। तथा वाहन जप्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय गरोठ परिसर में रखे है।

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्तीकरण पर भाजपा का पलटवार

बोली- कांग्रेस ने ही रचा महिला प्रत्याशी को रोकने का षड्यंत्र

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के मुद्दे पर भाजपा ने शुक्रवार को नीमच टाउन हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। नपाध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट स्वाति गौरव चौपड़ा और भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने दावा किया कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन किसी राजनीतिक साजिश का नहीं, बल्कि कांग्रेस की आंतरिक खींचतान और तथ्यों को छिपाने का परिणाम है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के ही नेताओं ने एक महिला उम्मीदवार को राज्यसभा पहुंचने से रोकने के लिए षड्यंत्र रचा।

शुक्रवार को नीमच टाउन हॉल में आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा नेत्रियों ने कहा कि कांग्रेस का नारी सम्मान केवल नारे तक सीमित है, जबकि उसका राजनीतिक आचरण महिलाओं के प्रति सम्मानजनक नहीं रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट स्वाति गौरव चौपड़ा ने कहा कि कांग्रेस लगातार इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि नामांकन निरस्त होने की स्थिति कांग्रेस नेताओं द्वारा आवश्यक जानकारी छिपाने के कारण बनी। उन्होंने कहा कि यदि नामांकन पत्र और शपथ-पत्र में सभी तथ्य सही तरीके से प्रस्तुत किए जाते तो ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती।

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व महिला सम्मान की बात तो करता है, लेकिन जब अपनी ही महिला कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ न्याय करने की बात आती है तो पार्टी का दोहरा चरित्र सामने आ जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के अंदरूनी राजनीतिक समीकरणों के कारण मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा पहुंचने से रोकने का प्रयास किया गया।

भाजपा नेताओं ने तेलंगाना से जुड़े उस प्रकरण का भी उल्लेख किया, जिसमें एक महिला कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर न्यायालय में मामला विचाराधीन रहा। भाजपा का दावा है कि इसी मामले से जुड़ी जानकारी शपथ-पत्र में शामिल नहीं किए जाने के कारण नामांकन निरस्त हुआ। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह चुनावी प्रक्रिया का विषय है और भाजपा हमेशा संवैधानिक एवं निर्वाचन संबंधी नियमों का पालन करने के पक्ष में रही है।

पत्रकार वार्ता में मौजूद भाजपा महिला पदाधिकारियों ने भी कांग्रेस पर महिलाओं के मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है, जबकि कांग्रेस केवल राजनीतिक लाभ के लिए महिला सम्मान का मुद्दा उठाती है।

प्रेस वार्ता में भाजपा ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्तीकरण को कांग्रेस के आंतरिक षड्यंत्र और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए विपक्षी दल से जवाब मांगा कि यदि सब कुछ सही था तो नामांकन निरस्त होने की नौबत आखिर क्यों आई।

समाज में बाल विवाह एवं बाल सगाई रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता जरूरी है-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में बाल विवाह एवं बाल सगाई रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता जरूरी है, इसके लिए वृहद स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। सभी शाला त्यागी बालक, बालिकाओं को स्कूलों में प्रवेश दिलाकर उन्हें शिक्षा से जोड़ा जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित बेटी बचाओं, बेटी पढाओं जिला स्तरीय टास्क फोर्स तथा जिला स्तरीय बाल कल्याण एवं बाल संरक्षण समिति की बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, वन स्टाप सेंटर के प्रतिनिधि तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया, कि वर्तमान त्रेमास में जिले में 8 बाल विवाह रूकवाए गये है। साथ ही विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए है। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने आगामी एक वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रमों में गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

सम्पादकीय

परमाणु शक्ति संपन्न भारत में कब होगी बालिका शिक्षा शत-प्रतिशत

यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। महात्मा ज्योतिराव फुले।

भारत विश्व की सबसे प्राचीन ज्ञान परंपराओं वाला देश रहा है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्व को शिक्षा का प्रकाश दिया। वैदिक काल में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करना था। गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाओं ने सिद्ध किया था कि भारतीय संस्कृति में नारी शिक्षा का गौरवशाली इतिहास रहा है। किंतु मध्यकालीन सामाजिक रूढ़ियों और औपनिवेशिक शासन के प्रभाव से बालिका शिक्षा पिछड़ती चली गई। 1835 में लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली लागू की। इसका उद्देश्य भारतीय समाज में ऐसे कर्मचारियों का वर्ग तैयार करना था जो अंग्रेजी शासन के प्रशासनिक कार्यों को संचालित कर सके। आधुनिक विज्ञान और अंग्रेजी भाषा के प्रसार में इस शिक्षा प्रणाली का योगदान रहा, किंतु इसने भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक शिक्षा और कौशल आधारित शिक्षण को काफी हद तक हाशिए पर पहुंचा दिया। उस समय महिलाओं की शिक्षा लगभग नगण्य थी। समाज में बाल विवाह, पर्दा प्रथा और लैंगिक असमानता जैसी कुरीतियां लड़कियों की शिक्षा में बड़ी बाधा थीं।

समाज सुधारकों का योगदान- ऐसे कठिन समय में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिराव फुले ने बालिका शिक्षा की अलख जगाई। 1848 में उन्होंने लड़कियों के लिए पहला आधुनिक विद्यालय प्रारंभ किया।

ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने महिला शिक्षा और सामाजिक सुधारों को नई दिशा दी। बाद में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना।

डॉ. अंबेडकर का प्रसिद्ध संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। स्वतंत्र भारत में शिक्षा का विकास- स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत की साक्षरता दर लगभग 18 प्रतिशत थी। महिलाओं की साक्षरता तो 10 प्रतिशत से भी कम थी। संविधान निर्माताओं ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना।

समय-समय पर कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, 1986, सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा नई शिक्षा नीति 2020 जैसे प्रयास किए गए। इन प्रयासों से शिक्षा का दायरा बढ़ा और लड़कियों की विद्यालयों तक पहुंच बेहतर हुई।.आज भारत की साक्षरता दर 77 प्रतिशत के आसपास पहुंच चुकी है, जबकि महिला साक्षरता दर 70 प्रतिशत से अधिक है। यह प्रगति उत्साहजनक है, किंतु अभी भी पुरुषों और महिलाओं की साक्षरता में अंतर बना हुआ है।

विश्व के सर्वाधिक शिक्षित देशों से सीख- विश्व में फिनलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, जापान और नॉर्वे जैसे देशों की शिक्षा व्यवस्था विश्व में आदर्श मानी जाती है। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था

फिनलैंड में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि जीवन कौशल विकसित करना है। वहां बच्चों पर अनावश्यक परीक्षा का दबाव नहीं होता। शिक्षकों को अत्यंत सम्मान और स्वायत्तता प्राप्त है। बालिका और बालक के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। सिंगापुर ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा साधन बनाया। वहां विज्ञान, गणित, तकनीक और कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। शिक्षा को उद्योगों और रोजगार से जोड़ा गया है।

जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में अनुशासन, नैतिकता, समयबद्धता और तकनीकी दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप ये देश सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद आर्थिक महाशक्ति बन गए।

भारत में प्रतिभा की कोई कमी कभी भी नहीं रही है, किंतु शिक्षा व्यवस्था अभी भी परीक्षा-केंद्रित बनी हुई है। रटंत प्रणाली, विद्यालयों की असमान गुणवत्ता, शिक्षकों की कमी और ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों का अभाव आज भी चुनौतियां हैं।नई शिक्षा नीति 2020 ने इन समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें मातृभाषा आधारित शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षण और बहुविषयक अध्ययन पर बल दिया गया है। किंतु इसके वास्तविक लाभ तभी मिलेंगे जब इसका प्रभावी क्रियान्वयन हो। बालिका शिक्षा का सत प्रतिशत होना इसलिए भी आवश्यक है कि शिक्षित बेटी, समृद्ध परिवार

एक शिक्षित महिला अपने परिवार को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कार प्रदान करती है। वह अगली पीढ़ी की प्रथम शिक्षिका होती है।सामाजिक कुरीतियों का अंत भी।बाल विवाह, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं को समाप्त करने में शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है।

विश्व बैंक सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का मानना है कि महिलाओं की शिक्षा में निवेश किसी भी देश के आर्थिक विकास को तीव्र गति देता है। यदि भारत की प्रत्येक बेटी शिक्षित होगी तो देश की उत्पादकता और आर्थिक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित योग की सजीव अनुभूति है सहजयोग

श्रीमद्भगवद्गीता एक पवित्र ग्रंथ है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र में अर्जुन को उपदेश स्वरूप प्रदान किया था। गीता की विशेषता यह है कि यह किसी एक दर्शन, संप्रदाय या विचारधारा तक सीमित न होकर सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देती है। इसका उद्देश्य केवल अर्जुन को युद्ध के लिए प्रेरित करना नहीं था, बल्कि यह बताना था कि जीवन की किसी भी परिस्थिति में मानव का कल्याण संभव है। गीता में श्रीकृष्ण ज्ञानयोग, भक्तियोग और कर्मयोग के माध्यम से परमात्मा से एकत्व प्राप्त करने का मार्ग बताते हैं, किंतु इन योगों का वास्तविक अर्थ अत्यंत व्यापक एवं गहन है। निष्काम कर्म, निर्विकल्प ज्ञान और अनन्य भक्ति की अवस्था प्राप्त करने के लिए आत्मबोध आवश्यक माना गया है, जबकि परंपरागत मतों के अनुसार आत्मबोध कठिन साधना का परिणाम समझा जाता है। ऐसे में अनेक लोग स्वयं को इस मार्ग के योग्य नहीं मानते।

वर्तमान समय में परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने का एक सहज एवं व्यावहारिक मार्ग प्रदान करता है। आदिशक्ति स्वरूपा श्री माताजी ने कुंडलिनी जागरण के शाश्वत ज्ञान को पुनः स्थापित किया, जिसके माध्यम से प्रत्येक जिज्ञासु साधक आत्मज्ञान की अनुभूति सहज रूप से प्राप्त कर सकता है। जो साधक श्रद्धा एवं समर्पण के साथ आत्मसाक्षात्कार की इच्छा व्यक्त करता है, वह इसकी अनुभूति अपने तालु और हथेलियों पर शीतल चैतन्य के रूप में अनुभव कर सकता है। नियमित ध्यान और आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से मनुष्य का चित्त वर्तमान में स्थिर होने लगता है और वह गीता में वर्णित कालातीत, गुणातीत तथा धर्मातीत अवस्था की ओर अग्रसर होता है। परिणामस्वरूप जीवन के अनेक मानसिक एवं भौतिक संताप स्वतः कम होने लगते हैं और साधक साक्षीभाव में स्थित होकर परमात्मा से गहन एकाकारिता स्थापित करने में सक्षम होता है। इस प्रकार सहजयोग को श्रीकृष्ण द्वारा गीता में वर्णित योगों की जीवंत एवं प्रत्यक्ष अनुभूति के रूप में देखा जा सकता है।

फीफा विश्व कपः जहाँ आँसू भी एक भाषा बन जाते हैं और खुशी भी

कभी-कभी एक सीटी, एक गोल और एक मैदान पूरी दुनिया को एक परिवार बना देते हैं। 11 जून 2026 को एस्टाडियो एज्टेका में मेक्सिको की दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के साथ केवल विश्व कप नहीं शुरू हुआ, बल्कि फुटबॉल ने अपने इतिहास का सबसे विराट अध्याय खोला। 1970 और 1986 के बाद तीसरी बार उद्घाटन मैच का साक्षी बना एज्टेका अद्वितीय बन गया। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी, 48 टीमों की अभूतपूर्व भागीदारी, 104 मुकाबलों और 39 दिनों का यह महाउत्सव खेल से आगे बढ़कर मानवता का साझा उत्सव बन चुका है। यहां हर गोल केवल जाल नहीं हिलाता, बल्कि सरहदों के पार दिलों को भी जोड़ता है। फुटबॉल एक बार फिर साबित कर रहा है कि दुनिया को जीतने की सबसे बड़ी ताकत हथियारों में नहीं, सपनों और भावनाओं में बसती है।

विश्व कप का इतिहास उन आंखों की कहानी है जिनमें असंभव सपने पलते हैं। 1930 में उरुग्वे से शुरू हुई यह यात्रा 2022 में मेस्सी के स्वर्णिम अध्याय तक अनगिनत किंवदंतियां रच चुकी है। ब्राजील का गौरव, जर्मनी का अनुशासन और अर्जेंटीना का जुनून राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक हैं। 2026 का विश्व कप अपने विस्तार और समावेशिता से अलग पहचान बना रहा है। 48 टीमों और 12 समूहों के नए प्रारूप में शीर्ष दो के साथ आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों को भी नॉकआउट का अवसर मिला है। यही इसकी ताकत है। कुराकाओ, उज्बेकिस्तान, जॉर्डन और केप वर्डे का पदार्पण और 52 वर्षों बाद हैती की वापसी बताती है कि फुटबॉल अब केवल शक्तिशाली देशों का मंच नहीं, बल्कि सपनों की मंजिल है।

जब अलग दिशाओं की हवाएं एक लय में बहने लगती हैं, तब विश्व इतिहास नया रूप लेता है। मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका ने मिलकर विश्व कप की सबसे बड़ी संयुक्त मेजबानी तैयार की है। मेक्सिको सिटी की ऊंचाई, टोरंटो की ठंडक और लॉस एंजिलिस की चमक के बीच 16 शहर एक साझा उत्सव में जुड़े हैं। यह आयोजन दिखाता है कि खेल सीमाओं से बड़ा होता है। न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फाइनल पहली बार सुपर बाउल शैली के भव्य हाफटाइम शो के साथ और भी यादगार बनेगा। यह महाआयोजन खेल और वैश्विक संस्कृति के संगम से जन्मी साझेदारी, आस्था और उम्मीद की गाथा है, जो विभाजन की छाया में डूबी दुनिया में उजाले की किरण बनकर उभरता है।

जब खेल मैदान विज्ञान की प्रयोगशाला में बदल जाता है, तब फुटबॉल केवल मुकाबला नहीं, भविष्य का अनुभव बन जाता है। अर्ध-स्वचालित ऑफसाइड तकनीक, खिलाड़ियों के डिजिटल 3-डी अवतार, एआई आधारित विश्लेषण, कनेक्टेड बॉल और हाफटाइम इंटरव्यू जैसी व्यवस्थाएं खेल अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। चार पैनलों वाली ट्रियोन्डा गेंद ने ऊंचाई वाले मैदानों में नई उड़ान और रोमांच पैदा किया है। अब दर्शक सिर्फ खेल नहीं देखते, बल्कि रीयल-टाइम डेटा और विश्लेषण के साथ उसे गहराई से महसूस करते हैं। यह रूप दिखाता है कि परंपरा और नवाचार विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं–जहां खिलाड़ी वर्तमान हैं और तकनीक भविष्य की आहट।

इस विश्व कप की असली ताकत उसका विस्तार नहीं, बल्कि उसकी समावेशिता है। अफ्रीका, एशिया और ओशिनिया को अधिक प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे यह प्रतियोगिता सचमुच वैश्विक रूप लेती है। नॉर्वे की 28 वर्षों बाद वापसी, स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रिया का लंबे इंतजार का अंत तथा नए देशों का आगमन इसे और जीवंत बनाते हैं। मेजबान देशों के लाखों युवा विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को देखकर प्रेरित हो रहे हैं। किसी युवा का पहला विश्व कप गोल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के सपनों का उत्सव बन जाता है। यही कारण है कि फुटबॉल राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय एकता का प्रतीक बनता है–एक ऐसा पुल जो भाषा, संस्कृति और सीमाओं की दूरियां मिटा देता है।

निश्चित रूप से इस विराट आयोजन के समक्ष अनेक चुनौतियां भी उपस्थित हैं। तीन देशों के बीच लंबी यात्राएं, अलग-अलग समय क्षेत्र, मौसम का अंतर, गर्मी और ऊंचाई खिलाड़ियों की शारीरिक परीक्षा लेते हैं। टिकटों की ऊंची कीमतें और पर्यावरणीय प्रभाव भी चर्चा में हैं। 104 मैचों का विशाल कार्यक्रम खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए असाधारण चुनौती है। फिर भी अवसर अधिक बड़े हैं–आर्थिक गति, पर्यटन विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं की प्रेरणा इसकी स्थायी विरासत बन सकते हैं। यह विश्व कप याद दिलाता है कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाजों को जोड़ने और भविष्य गढ़ने की शक्ति भी है।

भावनाओं की दृष्टि से 2026 का विश्व कप एक विशाल मानवीय उत्सव बन चुका है। एक ओर पुरानी पीढ़ी के सितारे अपने गौरवपूर्ण अध्याय का समापन कर रहे हैं, वहीं नई प्रतिभाएं विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। शाकिरा और बर्ना बॉय जैसे कलाकारों से सजा उद्घाटन समारोह तीन देशों की सांस्कृतिक आत्माओं को एक मंच पर पर लेकर आया। एज्टेका की विरासत, सोफी स्टेडियम की आधुनिकता और बीसी प्लेस की पहचान इस आयोजन को बहुरंगी स्वर देती है। हर स्टेडियम अपनी कहानी कहता है और हर मैच नई संभावना खोलता है। यह विश्व कप रिकॉर्ड ही नहीं, करोड़ों स्मृतियों का स्थायी हिस्सा बन रहा है।

2026 का विश्व कप केवल खेल नहीं, बल्कि मानवता के विश्वास का उत्सव है। 1930 से आज तक की यात्रा बार-बार सिद्ध करती है कि एक गेंद दुनिया को जोड़ने की अद्भुत क्षमता रखती है। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी सहयोग, संवाद और साझेदारी की ताकत को भविष्य की दिशा देती है। अंतिम सीटी के साथ जब कोई टीम ट्रॉफी उठाएगी, तब असली जीत उसी भावना की होगी जिसने करोड़ों लोगों को एक साथ जोड़कर हंसने, रोने और सपने देखने का साहस दिया। फुटबॉल फिर साबित करेगा कि वह उम्मीदों को पंख देने, दिलों को जोड़ने और सीमाओं को मिटाने वाला सबसे सुंदर खेल है।

-प्रो. आरके जैन

भारत में सूखे के आसार

भारत सरकार को उर्वरक, खाद सबसिडी 3.42 लाख करोड़ रुपए करनी पड़ सकती है। यह सबसिडी कंपनियों को दी जाएगी, ताकि वे खाद का पर्याप्त बंदोबस्त कर सकें। बजट में इस सबसिडी का करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया था। खाद के संकट के साथ देश की खाद्य-सुरक्षा भी जुड़ी है। यदि कमजोर मॉनसून और अल नीनो के कारण, खाद के अभाव में, उपज कम हुई, तो खाद्यान्न की कमी के कारण देश में खाद्य-संकट के हालात भी बन सकते हैं। कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। धान, ईख, मक्का आदि मुख्य फसलें हैं। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है। यह खेती छोटे भू-भाग पर भी नहीं की जा सकती। किसान जिस खाद का इस्तेमाल करते हैं, उसका एक मोटा हिस्सा जमीन के भीतर रिस कर और भूमिगत जल के साथ मिल कर आसपास के खेतों में चला जाता है। उससे जैविक खेती प्रभावित, खादयुक्त हो जाती है। फिर वह प्राकृतिक खेती रहती ही नहीं। भारत में करीब 6.01 करोड़ टन खाद की सालाना खपत होती है। बेशक 90 फीसदी एनपीके का उत्पादन देश में ही किया जाता है और 87 फीसदी यूरिया का उत्पादन भी हम करने में सक्षम हैं, लेकिन उर्वरक संयंत्रों को चलाने के लिए भी एलएनजी चाहिए।

खाड़ी, पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध जारी है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप समझौते और युद्धविराम के ढोंग करते रहें, लेकिन हकीकत यह है कि वह युद्ध खत्म करना ही नहीं चाहते। अमरीका का एक तबका युद्ध से डॉलर छाप रहा है। बमबारी जारी है। ईरान ने भी कुवैत, बहरीन, जॉर्डन के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह किया है। युद्ध के कारण तेल, गैस, खाद और खासकर एलएनजी के आयात और आपूर्ति दोनों ही बाधित हैं। इनके कारण और कमजोर मॉनसून, अल नीनो के प्रभाव से भारत के राजस्थान, गुजरात के कच्छ क्षेत्र, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल और कर्नाटक आदि राज्यों में सूखे, खाद्य-संकट के आसार बन रहे हैं। कम उत्पादन के कारण चावल, दालों, सब्जियों की आपूर्ति और उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

-धनंजय राजौरा

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है।

इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

-ललित गर्ग

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की ÷पड़ोसी प्रथम÷ नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं।

तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं।

व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

बारिश के दौरान जिलों के बांध से पानी छोड़ने की स्थिति में सावधानी रखी जाए- संभागायुक्त

रपटे, नाले और पुलों पर बाढ़ के समय पर पुलिस, होमगॉर्ड के जवान भी तैनात करें-ए.डी.जी श्री गुप्ता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त आशीष सिंह और ए.डी.जी राकेश गुप्ता ने मानसून के दौरान संभावित बाढ़ और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संभाग के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षक की बैठक ली। बैठक में वीसी के माध्यम से कलेक्टर ऋतुराज सिंह सहित अन्य अधिकारीगण जुड़े।

बैठक के दौरान संभागायुक्त सिंह ने बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जिलों में स्थित बांधों से पानी छोडने की स्थिति में सावधानी रखें। जिलों में जल मग्न होने वाले पुल-पुलिया पर सर्तकता बरती जाएं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी पुल-पुलिया का निरीक्षण कर आवश्यक सावधानी रखें। वीसी के दौरान एडीजीपी राकेश गुप्ता ने भी बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी रखने के लिए निर्देश दिए।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने शुक्रवार को मानसून पूर्व तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक कर मानसून के पूर्व बाढ़ आपदा से बचाव की सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने सभी कलेक्टर्स को जिले में बाढ़ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों व बाढ़ उन्मुख नदियों का चिन्हांकन कर, बड़े बांधों की सूची एवं स्टोरेज क्षमता, वर्तमान भराव एवं बांधों के गेट खोले जाने पर प्रभावित गांवों एवं क्षेत्रों की पूर्ण जानकारी तैयार रखने के निर्देश दिए। जिलेवार बाढ़ के संभावित कारणों, सूचना संबंधी उपायों, पूर्व सूचना एवं प्रचार-प्रसार की प्रणाली पर चर्चा कर जानकारी प्राप्त की गई।

बैठक में एडीजीपी राकेश गुप्ता ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में राहत शिविरों में प्रकाश व्यवस्था और सुविधा रहे। बारिश के दौरान स्कूली बसों के पुल-पुलिया से आने-जाने के दौरान सावधानी रखी जाए। पुराने तालाबों की स्थिति देख लें। जिलों में ड्रोन की व्यवस्था रहे जिसके माध्यम से बाढ़ की स्थिति की जानकारी मिल सके।

बैठक में जल संशाधन विभाग ने बाँधो से पानी छोड़ने की सूचना और प्रभावित गाँव मे अलर्ट से सम्बन्धित जानकारी दी और पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि विभाग द्वारा जल मग्र होने वाले पुल-पुलियों के 154 लोकेशन चिन्हित किए है, जहां बाढ़ का पानी पुल से पहुंचता है। ऐसे स्थानों पर एक-एक व्यक्ति की ड्यूटी तैनात कर मोबाइल नंबर के साथ सूची पुलिस व जिला प्रशासन को दी है। साथ ही सभी पुल-पुलिया पर दोनो ओर साईन बोर्ड लगाए गए है। संभागायुक्त सिंह ने अन्य जिलों में एडीईआरएफ जवान और होम गार्ड्स को राहत एवं बचाव के सभी आवश्यक एवं उपलब्ध संसाधनों, गोताखोरों आदि की जानकारी नंबर सहित सूचीबद्ध कर सभी संबंधितों से साझा करने, अस्थायी शिविरों की व्यवस्था के लिए स्थान एवं स्थानीय संसाधनों का आंकलन करने और नोडल अधिकारियों का नामांकन करने आदि के लिए निर्देशित किया।

गैस एजेंसी से बदमाश ले गए हजारों का माल

सिलेंडर, एक बाइक और मोबाइल चुरा ले गए बदमाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम चौमा स्थित देवशक्ति एचपी गैस ग्रामीण वितरण एजेंसी में बुधवार रात अज्ञात बदमाशों ने सेंधमारी कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह एजेंसी संचालकों को लगी, जिसके बाद देर रात चौमा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरियादी देवकरण मालवीय निवासी पुराना चौमा ने पुलिस को बताया कि उनकी देवशक्ति एचपी गैस ग्रामीण वितरण एजेंसी में बुधवार रात उनका छोटा भाई अशोक मालवीय और चालक राहुल मालवीय मौजूद थे। रात करीब एक बजे तक सब कुछ सामान्य था और गैस गोदाम पर ताला भी लगा हुआ था। गुरुवार सुबह जब दोनों की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि किसी अज्ञात बदमाश ने एजेंसी की बाउंड्री फांदकर गोदाम का ताला तोड़ दिया था। चोर गोदाम से पांच भरे हुए घरेलू एचपी गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। वहीं परिसर के सामने खड़ी चालक राहुल मालवीय की पल्सर बाइक (एमपी 70 जेडबी 6693) भी गायब मिली। वहीं बदमाशों ने पास की गुमटी में सो रहे सिद्धनाथ मालवीय का वीवो कंपनी का मोबाइल फोन भी चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 69 हजार रुपए बताई गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एजेंसी संचालक ने पूरे मामले की जानकारी जुटाई और गुरुवार देर रात चौमा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कॉलेज प्रबंधन नहीं जुटा पाया विद्यार्थियों के लिए व्यवस्था

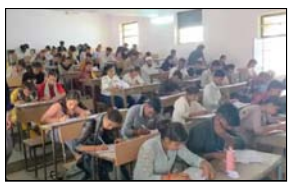

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन कॉलेज में शुक्रवार को बीए प्रथम सेमेस्टर के फाउंडेशन विषय की परीक्षा हुई। जिसमें शामिल हुए 700 विद्यार्थियों के लिए कॉलेज प्रबंधन व्यवस्था नहीं जुटा पाया और एक बैंच पर एक ही कक्षा के दो परीक्षार्थियों को बैठाना पड़ा, जिससे नकल की संभावना बढ़ गई।

विद्यार्थियों की अधिक संख्या और कक्षाओं में पर्याप्त बैठक व्यवस्था न होने के कारण कई कमरों में एक ही बेंच पर दो-दो परीक्षार्थियों को बैठाया गया। इस व्यवस्था से परीक्षा के दौरान छात्रों के एक-दूसरे की उत्तर पुस्तिकाओं में देखने और नकल करने की आशंका बढ़ गई। कुछ छात्रों ने बताया कि भीड़ के कारण परीक्षा का माहौल प्रभावित हुआ। कालेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी ने बताया कि परीक्षार्थियों की संख्या अपेक्षा से अधिक थी, जिसके कारण कुछ कमरों में एक सीट पर दो विद्यार्थियों को बैठाना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय कक्षाओं की कमी के कारण लिया गया था। प्राचार्य ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को लगातार कक्षाओं में भ्रमण करने और विद्यार्थियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि नकल की किसी भी संभावना को रोका जा सके। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि कोई कर्मचारी ड्यूटी के दौरान लापरवाही करते हुए मोबाइल का उपयोग करता या बातचीत में व्यस्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षणार्थियों को दिया सीपीआर व आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण, महाकुंभ में हर स्थिति से निपटने किया जा रहा तैयार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकुंभ 2028 के लिए पुलिसकर्मियों को विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया जाकर तैयार किया जा रहा है ताकि वे हर परीस्थिति से निपटने को तैयार रहें। इसके लिए द्वितीय चरण में प्रशिक्षणार्थियों को सीपीआर, आपदा प्रबंधन व विपरीत परीस्थितियों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

प्रशिक्षण में रेडियो एसआई अंतरसिंह अहिरवार द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संचार व्यवस्था, एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों, आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) कंट्रोल रूम तथा ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाने वाली निगरानी व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद होमगार्ड कार्यालय में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट विक्रमसिंह मालवीय एवं उनके स्टाफ द्वारा आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन, डूबने की घटनाओं में बचाव कार्य, मूविंग एवं लिफ्टिंग तकनीक, सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन), प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा उनका व्यावहारिक प्रदर्शन (प्रैक्टिकल) कर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने सभी विषयों को गंभीरता एवं उत्साह के साथ ग्रहण किया तथा आपदा की स्थिति में प्रभावी एवं त्वरित कार्यवाही करने की आवश्यक तकनीकों का अभ्यास किया।

गोलीकांड के एक साल बाद पीड़ित परिवारों ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप

प्रेसवार्ता में प्रशासन से की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की कालापीपल तहसील के ग्राम पानखेड़ी में 25 मई को हुए गोलीकांड के मामले को लेकर शुक्रवार को पीड़ित सूर्यवंशी व अहिरवार परिवार ने प्रेसवार्ता आयोजित की। जहां प्रशासन और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही पीड़ित परिवारों ने मामले की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मामला पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का है। परिवार का कहना है कि उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कब्जा करने का प्रयास किया गया और विरोध करने पर जानलेवा हमला किया गया। परिवार ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में अपनी बात रखते हुए बताया कि उनका परिवार पिछले लगभग 100 वर्षों से सर्वे नंबर 314/39 की भूमि पर काबिज है। यह भूमि वर्तमान में काफी मूल्यवान हो चुकी है, जिस पर कालोनाइजरों की नजर है और इसी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। परिवारजनो के अनुसार पहले भी जमीन विवाद में ही झोपड़ी में आग लगाने, चोरी तथा हमले जैसी घटनाएं हो चुकी हैं।

20 लोगों ने किया था हमला, 25 राउंड फायरिंग भी की - परिजनों ने बताया कि 25 मई को करीब 18 से 20 लोगों ने हथियारों के साथ अहिरवार कृषि फार्म पर हमला किया। आरोप है कि हमलावरों ने करीब 25 राउंड फायरिंग की तथा जेसीबी मशीन से लोगों को कुचलने का प्रयास किया। इस घटना में दीपक सूर्यवंशी, पवन अहिरवार, हेमंत अहिरवार, रूपेश अहिरवार, आदेश और भारत सूर्यवंशी घायल हुए। पवन अहिरवार को भी गोलियां लगी थी जो आज भी भोपाल में उपचाररत है। फिर भी पुलिस ने मामले में फरियादियों पर ही प्रकरण दर्ज कर दिया। परिवार ने पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने, फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, दोषी अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है।

18 जून तक जिलेभर में आयोजित होंगे जनकल्याण शिविर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार 12 जून से 18 जून 2026 तक जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर व्यापक स्तर पर जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना, आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना तथा विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। अभियान के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से की जाएगी।

शिविरों में पात्र व्यक्तियों का पंजीयन, आवेदन स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं के लिए आवेदन प्राप्त कर उनका यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविरों में विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय (आईएचएचएल) हेतु आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे तथा पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविरों का रोस्टर जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत , अपर कलेक्टर एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी शिविरों में उपस्थित रहकर विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों तथा लंबित प्रकरणों का परीक्षण करेंगे तथा अधिकतम मामलों का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

अभियान के दौरान चिन्हित योजनाओं में प्राप्त आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए पोर्टल पर पृथक मॉड्यूल विकसित किया गया है, जिससे विभागीय अधिकारी ऑनलाइन पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही कर सकेंगे।

शिविर अवधि में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों, राजस्व मामलों एवं अन्य जनशिकायतों के निराकरण हेतु विशेष अभियान भी संचालित किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने हेतु विभागीय स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। इन स्टॉलों पर पात्र हितग्राहियों को आवेदन, पंजीयन, प्रमाण-पत्र वितरण एवं अन्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

शिविर स्थलों पर केंद्र एवं राज्य शासन की विकासात्मक उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही हितग्राही संवाद, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतीकरण, जनजागरूकता गतिविधियां एवं लाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शिविर स्थलों पर आमजन की सुविधा के लिए पर्याप्त छाया, पेयजल, बैठक व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिन आवेदनों का निराकरण तत्काल संभव नहीं होगा, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदकों को सूचित किया जाएगा तथा प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।

13 जून को यहां होंगे शिविर- 13 जून 2026 को जनपद पंचायत झाबुआ के क्लस्टर पिटोल बड़ी, ढेकलबड़ी एवं करड़ावद बड़ी, जनपद पंचायत मेघनगर के माण्डली एवं नौगांवा, जनपद पंचायत पेटलावद के बामनिया, रायपुरिया, सारंगी एवं झकनावदा, जनपद पंचायत रामा के रोटला एवं रजला, जनपद पंचायत राणापुर के काकरादरा बड़ा एवं अंधारवड़ तथा जनपद पंचायत थांदला के हरिनगर, जुलवानिया छोटा एवं सागवा क्लस्टरों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

तहसीलदार को आशा कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंप बताई समस्या

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आशा और सहयोगिनी कार्यकर्ता महासंघ ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम तहसीलदार सुनील कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें आशा कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों की विभिन्न लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की गई। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि 6 सितंबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आशा कार्यकर्ताओं और आशा सुपरवाइजरों के लिए प्रति वर्ष एक हजार रुपये मानदेय वृद्धि सहित कई घोषणाएं की थी। लेकिन इन घोषणाओं का अब तक प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। संगठन का आरोप है कि आशा कार्यकर्ताओं को केंद्र एवं राज्य शासन से मिलने वाली राशि तथा प्रोत्साहन राशि का भुगतान कई महीनों तक नहीं किया जाता। इससे उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि अधिकांश आशा कार्यकर्ता आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आती हैं और लगातार दो से तीन माह तक पारिश्रमिक नहीं मिलने से उनके परिवारों के सामने संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कार्यकर्ताओं ने भुगतान व्यवस्था को पूर्व की तरह एकमुश्त और पारदर्शी बनाने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि आशा वर्कर्स को न्यूनतम 18 हजार रुपए और आशा सहयोगिनियों को 24 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन, ईपीएफ, ईएसआई और पेंशन सुविधा, दुर्घटना या मृत्यु पर पांच लाख रुपए मुआवजा, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपए का लाभ, एएनएम पद पर पदोन्नति, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, यूनिफार्म, यात्रा भत्ता, मातृत्व अवकाश और 5जी मोबाइल या टैबलेट उपलब्ध कराने जैसी मांगें भी रखी गई हैं। संगठन ने मुख्यमंत्री से इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर आशा कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों को राहत प्रदान करने का आग्रह किया है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों से यातायात पुलिस ने वसूले 50 हजार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस शाजापुर द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने व शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एसपी के आदेशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के लिए यातायात पुलिस शाजापुर की विशेष टीम गठित की गई है। जिनके द्वारा वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई, जिसमें 05 वाहन चालक शराब का सेवन कर वाहन चलाते पाए गए। उक्त सभी वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय द्वारा 50 हजार रू. से अधिक के अर्थदंड से दंडित किया गया। थाना प्रभारी यातायात ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन को गंभीर खतरे में डालना है। ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में यातायात थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला, सीमा मौर्य, श्यामलाल चौधरी, जगदीशचंद्र चौहान, प्रधान आरक्षक अमित जाट, आरक्षक सुजीत विश्वकर्मा, आरक्षक अशोक मालवीय, आरक्षक राकेश जवारिया, आरक्षक जगदीश चंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवा सप्ताह के रूप में मनाया गया जैन सोशल ग्रुप का स्थापना दिवस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप फ़ेडरेशन का स्थापना दिवस सेवा सप्ताह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर नगर के जैन सोशल ग्रुप मेन व युनिक द्वारा विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए गए। मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि इस अवसर पर संस्था की शाजापुर इकाई सदस्यों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को दुध-बिस्किट एवं फल वितरित किए गए साथ ही स्थानीय नाग-नागिनि मार्ग स्थित अखंड आश्रम में निराश्रितों जनों को भोजन वितरित किया गया।

जिले के सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने हितग्राहियों को किए हितलाभ वितरित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को योजनाओं के प्रमाण पत्र प्रदान किए और शिविरों का निरीक्षण किया। शिविरों में विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर पात्र नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। इसी प्रकार 15 एवं 16 जून को भी सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाए जाएंगे।

सीहोर जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित शिविर में जनपद अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री ललित दांगी, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे। इसी प्रकार सीहोर नगर पालिका द्वारा भी जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर और पार्षद श्रीमती मीना दिलीप राठौर ने शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए।

इसी प्रकार इछावर जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में इछावर नगर परिषद अध्यक्ष श्री देवेंद्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, श्री जगदीश पटेल, श्री शंकर जायसवाल, एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, जनपद सीईओ श्रीमती रूषाली पोरष शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जनपद कार्यालय के निर्माणाधीन नीवन भवन का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बुधनी जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में विधायक श्री रमाकांत भार्गव, एसडीएम श्री दिनेश सिंह तोमर, सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय, जनपद उपाध्यक्ष श्री हर्मेंद्र नागर, जनपद सीईओ श्रीमती सुप्रिया दुफारे सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। भैरूंदा में आयोजित शिविर में एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह और जनपद सीईओ श्री संजय अग्रवाल शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इसी प्रकार आष्टा जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में भी हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए और योजनाओं की जानकारी दी गई।

जंगली जानवर के हमले से चार लोग घायल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुंदरसी क्षेत्र में शुक्रवार को एक जंगली सियार ने जमकर आतंक मचाया। सियार ने अलग-अलग जगहों पर हमला करके एक पुजारी और तीन ग्रामीणों सहित कुल चार लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने भी भीड़ में पहुंचकर पहले सियार को घेर लिया और बाद में उसे मार डाला। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे दशहरा बड़ली के रहने वाले बाबूलाल मालवीय जब जंगल से अपने घर लौट रहे थे तभी अचानक सियार ने उन पर हमला कर दिया और उनके हाथ का अंगूठा काट लिया। बाबूलाल की चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे तो सियार वहां से भाग निकला। लेकिन इसके कुछ देर बाद ही सियार ने खेत पर भैंस के लिए भूसा लेने गए सद्दाम पिता महबूब खान पर भी हमला कर उसे भी घायल कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि खेतों में आतंक मचाने के बाद सियार सुंदरसी में स्थित महाकाल मंदिर परिसर के अंदर घुस गया। वहां उसने मंदिर के पुजारी मंगल सिंह राठौड़ और एक अन्य ग्रामीण रमेश अंगूरिया पर हमला कर उन्हें भी जख्मी कर दिया। घटना के बाद ये लोग शुक्रवार शाम करीब 6 बजे शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया। सियार के लगातार हो रहे हमलों से गुस्साए और डरे ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। खुद को बचाने और आगे के हमलों को रोकने के लिए ग्रामीणों ने सियार को चारों तरफ से घेर लिया और उसे मार डाला। अस्पताल में भर्ती सभी घायलों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बदनावर नगर परिषद की पीसीआई बैठक में विकास कार्यों की बौछार

सड़कों, ओपन जिम और सुरक्षा पर बड़ा फैसला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की सूरत बदलने और विकास कार्यों को गति देने के लिए शुक्रवार को नगर परिषद की पीआईसी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नगर के सभी वार्डों के चौमुखी विकास के लिए कई अहम प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

परिषद का मानना है कि इन विकास कार्यों से शहर में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। अध्यक्ष मीना शेखर यादव ने कहा, परिषद ने %सबका साथ, सबका विकास% की भावना के अनुरूप नगर की मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा, धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिए हैं।

बैठक में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा 21 सड़क निर्माण, 17 सार्वजनिक शौचालय, 11 ओपन जिम और 10 सार्वजनिक टीन शेड को मंजूरी दी गई। शहर के ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए फुटकर सब्जी दुकानों को वार्ड क्रमांक 9 स्थित कचहरी चौक में शिफ्ट करने पर चर्चा हुई। वही समय सीमा में काम पूरा न करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव पास किया गया। शासन के निर्देशानुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम 2016 लागू करने की स्वीकृति दी गई। साथ ही, सभी धार्मिक स्थलों पर सौर ऊर्जा संयंत्र (सोलर लाइट) लगाए जाएंगे।

वार्ड क्रमांक 1 में विभिन्न गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पेवर्स ब्लॉक निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए। इनमें भूरी के मकान से मुख्य मार्ग, रवि के मकान से मुख्य मार्ग, भारत गैस एजेंसी वाली गली, बोहरा समाज गली, सिर्वी मोहल्ला, टेंट वाली गली, आंबेडकर भवन परिसर, लक्ष्मी गौशाला परिसर, शासकीय अस्पताल के पीछे की गलियां तथा गुर्जर मोहल्ला सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा राधाकृष्ण इस्कॉन मंदिर, गायत्री मंदिर, बैजनाथ महादेव मंदिर, शीतला माता मंदिर, परशुराम वाटिका, शंखेश्वरपूरम तीर्थ, सरदार पटेल बस स्टैंड परिसर, देवनारायण मंदिर तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर यूरिनल और शौचालय निर्माण की स्वीकृति दी गई। शिक्षक कॉलोनी एवं सोनी कॉलोनी में भूमिगत ड्रेनेज लाइन निर्माण कराया जाएगा। वहीं इंद्रेश महादेव मंदिर, धर्मराज मंदिर परिसर, अणुनगर तथा बोहरा समाज के उद्यानों में झूले, चकरी, शेड और ओपन जिम स्थापित किए जाएंगे। वहीं माथुर कॉलोनी में पुलिस चौकी से अक्षय शर्मा के घर तक पेवर्स ब्लॉक मार्ग तथा दरबार कॉलोनी में भूमिगत ड्रेनेज लाइन निर्माण को मंजूरी दी गई। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, देवनारायण मंदिर परिसर, धर्मराज मंदिर परिसर, इंदिरा गार्डन एवं प्राचीन नागेश्वर धाम के उद्यानों में बच्चों के मनोरंजन उपकरणों के साथ ओपन जिम स्थापित किए जाएंगे। वार्ड क्रमांक 2 नंदराम चौपड़ा स्कूल परिसर में बैडमिंटन कोर्ट एवं खेल हॉल निर्माण की कार्ययोजना पर भी मुहर लगाई गई।

बैठक में बैजनाथ महादेव मंदिर, आनंदेश्वर महादेव मंदिर, शंखेश्वरपूरम तीर्थ, श्रीराम मंदिर, महाकाल मंडल, एकवीरा मंदिर, विश्वकर्मा मंदिर, अखंड परमधाम आश्रम, आदिवासी बस्ती स्थित माताजी मंदिर, लक्ष्मी गौशाला परिसर, बोहरा समाज उद्यान तथा बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा परिसर में सार्वजनिक उपयोग के लिए टीन शेड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा चाणक्यपुरी क्षेत्र में विधायक निधि से सीसी रोड निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री नगरी क्षेत्र अधोसंरचना विकास योजना की शेष राशि से बलराम धाम में उद्यान विकास, सौंदर्यीकरण एवं विद्युतिकरण कार्यों की कार्ययोजना तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नगर परिषद के विकास कार्यों पर आधारित एक विकास पुस्तिका प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में निर्माण सभापति अनिता दीपक जादव, झन्नुबाई सिर्वी, सुखराम देवड़ा सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह राठौर, उपयंत्री सांरग पुराणिक, जगदीश महावी आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

एसपी ने घोषित किया आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 10 हजार रुपये का इनाम

सुसनेर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने थाना सुसनेर के एक प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार अपराध क्रमांक 183/2026 में बीएनएस की धारा 109(1), 115(2) एवं 309(बी) के तहत दर्ज मामले में आरोपी गोविंद पिता राजेश शर्मा निवासी लोंगड़ी, थाना सुसनेर, लंबे समय से फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एसपी द्वारा इनाम उद्घोषणा जारी की गई है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि आरोपी के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा उसे 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब उनका प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित किया जाये - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा तहसील के ग्रामों का निरीक्षण कर शासन की योजनाओं तथा राजस्व एवं कृषि संबंधी कार्यों की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम भिलाई, झाली-मारियाडो-लाड़कुई तथा सनकोटा पहुंचकर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गति लाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

ग्राम भिलाई में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वन मित्र पोर्टल के माध्यम से संचालित वनाधिकार अधिनियम (एफआरए) से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्वयं वन मित्र पोर्टल का संचालन कर उसकी कार्यप्रणाली को समझा तथा अधिकारियों से लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाये तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दिया जाये। उन्होंने कहा कि वनाधिकार अधिनियम का उद्देश्य पात्र वनवासियों एवं परंपरागत वन निवासियों को उनके अधिकार प्रदान करना है, इसलिए सभी प्रकरणों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए।

भारत सरकार के 'खेत बचाओ अभियान' के तहत विकासखण्ड खाचरोद जिला उज्जैन की ग्राम पंचायत गुरला व करोंदिया में कृषकों को दिया प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा संचालित 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत सोमवार को विकासखण्ड खाचरोद की ग्राम पंचायत गुरला एवं करोंदिया में विशाल कृषक संगोष्ठी एवं खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य खरीफ फसलों सोयाबीन, मक्का, उड़द, मूंग को कीट-व्याधियों से बचाना एवं किसानों को रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर करना है।

भारत सरकार के प्रतिनिधि श्री सरजू पल्लेवार ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि खेत बचाओ अभियान का लक्ष्य देशभर में किसानों की उत्पादन लागत कम करना, मृदा स्वास्थ्य सुधारना एवं जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा देना है। इसके तहत प्रत्येक जिले में वैज्ञानिकों की टीम खेत-खेत जाकर निगरानी कर रही है।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन की विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीमती रेखा तिवारी ने खरीफ फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन IPM की जानकारी दी। परियोजना संचालक आत्मा उज्जैन श्री एस.के. केन ने कहा कि भारत सरकार की मंशा है कि 2027 तक हर गांव में प्राकृतिक खेती का मॉडल तैयार हो।

कृषि विस्तार अधिकारी श्री रामगनेश रावत एवं बीटीएम श्री बापूलाल भगोरा द्वारा मौके पर जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, अग्निअस्त्र व दशपर्णी अर्क बनाने का लाइव प्रदर्शन किया गया। किसानों को बताया गया कि प्राकृतिक खेती से लागत 40-50% तक घटती है व उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है।

इस अवसर पर कृषि समिति सभापति श्री भवर सिंह चौहान गुरला पंचायतहै सरपंच मोहब्बत सिंह चौहान, किसान नेता हिम्मत सिंह जी, गजराज सिंह जी एवम करोंदिया पंचायत सरपंच श्री सुमेरसिंह पंवार सहित दोनों पंचायतों के 150 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया।

नगर परिषद ने किया लोक कल्याण शिविर का आयोजन

सुसनेर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार शुक्रवार को सीएमओ ओपी नागर के मार्गदर्शन में आम नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से लोक कल्याण शिविर का आयोजन पुरानी नगर परिषद में किया गया। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया ने भी उपस्थित होकर हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए। शिविर में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाएं , पीएम स्वनिधि योजना, स्वनिधि क्रेडिट कार्ड, विभिन्न पेंशन योजना , नवीन नल कनेक्शन , नोड्युज प्रमाण पत्र,समग्र संबंधित कार्य, भवन अनुज्ञा आदि योजनाओं के आवेदन लिए गए।इस अवसर पर शिविर के नोडल अधिकारी नरेश कुमार सिंह, प्रभारी शहजादी खान, सामुदायिक संगठक जगदीश परमार, अक्षय गुहाटिया, राम वाल्मीकि,अरुण मकवाना, आबिद खान,अशोक विश्वकर्मा, शहिद खान , रियाज खान आदि उपस्थित रहे।

अकसोदा में बैखौफ चल रही अवैध खुदाईः जल संसाधन विभाग के तालाब को माफियाओं ने किया छलनी

साठगांठ के आरोप खबर लीक होते ही है माफियाओं ने गायब किये पोकलेन मशीन में डंपरों

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इलाके में अब जल संसाधन विभाग के तालाब भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। प्रशासनिक अनदेखी और कथित साठगांठ के चलते खनन माफियाओं ने सरकारी तालाबों का सीना छलनी कर दिया है। ताजा मामला देपालपुर के समीप ग्राम अकसोदा का है, जहाँ बड़े पैमाने पर अंधाधुंध अवैध खुदाई का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि जब इस अवैध कारोबार की शिकायत उच्च स्तर पर हुई, तो भनक लगते ही माफिया मौके से रातों-रात पोकलेन मशीनें और डंपर लेकर गायब हो गए।

30 से 40 फीट गहरा गड्ढा, पीली मिट्टी से लेकर मोरम तक साफ- अकसोदा के इस तालाब में खनन का स्तर देखकर किसी के भी होश उड़ जाएं। माफियाओं ने तालाब को 30 से 40 फीट तक गहरा खोद डाला है। तालाब की तलहटी से कीमती पीली मिट्टी से लेकर मोरम तक सब कुछ अवैध रूप से निकाल कर बेच दिया गया। इस बेतरतीब खुदाई से न सिर्फ शासन को लाखों रुपये के राजस्व का चूना लगा है, बल्कि आने वाले दिनों में तालाब के अस्तित्व और जलभराव क्षमता पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

ग्रामीणों का गंभीर आरोप- अफ़सरों की शह पर हुआ खेल- इतने बड़े पैमाने पर दिन-रात मशीनों से खुदाई होती रही, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं खुली। ग्रामीणों का सीधा और गंभीर आरोप है कि यह पूरा खेल जल संसाधन विभाग के अफसरों की मौन सहमति और साठगांठ से चल रहा है।

गांव वालों का सवाल- जब हफ़्तों तक इतने बड़े पैमाने पर पोकलेन और डंपर चलते रहे, तो क्या क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी? या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गईं?

कार्रवाई के नाम पर सिफर, शिकायत होते ही भागे माफिया- जैसे ही मामले की भनक मीडिया और जागरूक ग्रामीणों के जरिए फैली, हड़कंप मच गया। कार्रवाई के डर से माफियाओं ने आनन-फानन में मौके से अपनी पोकलेन मशीनें और डंपर हटा लिए। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या मौके से मशीनें हट जाने से माफियाओं का अपराध कम हो जाता है? क्या तालाब में किए गए 40 फीट गहरे गड्ढे अफसरों को दिखाई नहीं दे रहे?

अब देखना यह है कि इस गंभीर मामले में प्रशासन क्या रुख अपनाता है। क्या दोषियों और उनके मददगार अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी, या फिर हर बार की तरह इस बार भी फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

इनका कहना–

आकासौदा तालाब सर्वे नंबर 455 पर मिट्टी एवं मोरम खुदाई की कोई विभाग की अनुमति नहीं दी गई है जांच करवा कर कार्रवाई की जाएगी

–मयंक परमार

स्लग- सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने ग्रामीणों से किया संवाद

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने पोलायकला मंडल के ग्राम रानी बड़ौद का प्रवास कर ग्रामीणजनों से आत्मीय भेंट एवं संवाद किया।

इस दौरान विधायक चंद्रवंशी ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं गरीबों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं तथा सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी अपने सुझाव एवं विचार साझा किए तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण का आश्वासन दिया।

विधायक चंद्रवंशी ने कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है तथा जनसेवा और विकास का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर जिला महामंत्री कृपाल सिंह मेवाड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच विक्रम राठौर सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने बड़े पुलिया से बागवाले हनुमान मंदिर तक बन रहे निर्माणाधीन सड़क मार्ग का निरीक्षण किया, इसी के विगत दिनों हरि नारायण सारवान के घर में आग लग गई जिस कारण मकान सहित लाखों रुपए का नुकसान हो गया यह घनश्याम चंद्रवंशी ने हरिनारायण सारवान के निवास पहुंचकर परिवार से मुलाकात की तथा उचित सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया ।

पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण एवं इकोसिस्टम कार्यक्रम के अंतर्गत सीहोर स्थित डाइट संस्थान में 08 से 12 जून तक पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शासकीय आईटीआई के ट्रेनर्स को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण देकर इनके माध्यम से आगामी सत्र में आने वाले आईटीआई स्टूडेंट्स को सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिलाना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

सोयाबीन फसल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आरएके कॉलेज एवं भारतीय किसान संघ द्वारा खरीफ पूर्व सोयाबीन फसल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी खरीफ मौसम में सोयाबीन फसल की उत्पादकता एवं लाभप्रद में वृद्धि हेतु किसानों को नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों, उन्नत प्रजातियों तथा समेकित फसल प्रबंधन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना था।

प्रशिक्षण में भारतीय किसान संघ के श्री महेश चौधरी ने किसानों को सोयाबीन की उन्नत खेती, गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग, संतुलित पोषण प्रबंधन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर बल देते हुए अधिक उत्पादन एवं गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी। डॉ आईएस तोमर ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा वैज्ञानिक खेती के माध्यम से कृषि आय में वृद्धि पर जोर दिया।

तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र पयासी ने सोयाबीन की नवीन उन्नत प्रजातियों एवं उनके प्रमुख गुणधर्मों की विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.सी. गुप्ता ने संतुलित उर्वरक, प्रबंधन, सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व तथा उनकी कमी से फसलों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी दी।

उर्वरक उठाव हेतु ई-टोकन जनरेट करते समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें कॉमन सर्विस सेंटर : कृषि विभाग

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खरीफ मौसम 2026 के दौरान किसानों को समय पर एवं सुगमता से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध हो सके।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एन.एस. रावत ने बताया कि जिले के किसानों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए किसानों के ई-टोकन कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से जनरेट किए जाते हैं। विभाग के संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ कॉमन सर्विस सेंटरों द्वारा किसानों के उर्वरक उठाव हेतु ई-टोकन जनरेट करते समय उनके निवास स्थान से काफी दूर स्थित उर्वरक विक्रय केन्द्रों का चयन किया जा रहा है, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी एवं अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

कृषि विभाग द्वारा जिले के समस्त कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों को निर्देशित किया गया है कि ई-टोकन जनरेट करते समय किसान के निवास स्थान के निकटतम उर्वरक विक्रय केन्द्र का चयन किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित किसान सहकारी समिति का नियमित सदस्य है अथवा नहीं तथा आवश्यक जानकारी का सही एवं पूर्ण रूप से अंकन किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि समस्त आवश्यक जानकारी का परीक्षण एवं सत्यापन करने के उपरांत ही ई-टोकन जनरेट किया जाए। यदि किसी कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत कार्य किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

तन से सेवा, मन से समर्पण, धन से सहयोग निभाया है, प्रकाश और सुनील ने समाजहित का नया इतिहास बनाया है

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके भवनों, संसाधनों अथवा आर्थिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उन व्यक्तित्वों में निहित होती है जो अपने जीवन का समय, अनुभव, परिश्रम और संसाधन समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। ऐसे व्यक्तित्व समाज के लिए केवल पदाधिकारी नहीं होते, बल्कि वे संगठन, विश्वास, संस्कार और प्रेरणा के जीवंत स्तंभ बन जाते हैं।

अगर एक नजर मे देखा जाय तो विगत अनेक वर्षो से श्री प्रकाशचन्द्र जैन स्थानकवासी श्रावक संघ के अध्यक्ष के रूप में तथा श्री सुनील जैन दिगम्बर जैन समाज संघ के अध्यक्ष के रूप में समाज की विभिन्न गतिविधियों का सफल नेतृत्व कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में अनेक धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी कार्यों को नई गति और नई पहचान मिली है। उन्होंने समाज को केवल संगठित ही नहीं किया, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणादायी परंपरा भी स्थापित की है।

इन समाजसेवियों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी पद को प्रतिष्ठा का साधन नहीं बनाया, बल्कि समाज सेवा का माध्यम माना। समाज के किसी भी आयोजन, कार्यक्रम अथवा आवश्यकता के समय वे सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखाई देते हैं। चाहे धार्मिक आयोजन हो, सामाजिक उत्थान की योजना हो, युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का प्रयास हो या समाज में सौहार्द और एकता का वातावरण निर्मित करना हो–हर क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है।

समाज को एक सूत्र में बांधकर रखना किसी भी नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। विभिन्न विचारों, अपेक्षाओं और परिस्थितियों के बीच संतुलन स्थापित करना सरल नहीं होता, किंतु श्री प्रकाशचन्द्र जैन एवं श्री सुनील जैन ने अपनी व्यवहार कुशलता, सरलता और मिलनसार व्यक्तित्व के बल पर यह कार्य अत्यंत सफलतापूर्वक किया है। उन्होंने सदैव संवाद, सहयोग और समन्वय की भावना को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप समाज में एकता और आत्मीयता का वातावरण मजबूत हुआ है। समाजहित के अनेक कार्यों में विभिन्न सामाजिक संगठनों और पदाधिकारियों का भी समय-समय पर सहयोग प्राप्त होता रहा है। इसी क्रम में मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष श्री मनीष जैन सहित समाज के अनेक जिम्मेदार कार्यकर्ताओं ने भी विभिन्न अवसरों पर सहयोग और समन्वय की भूमिका निभाई है, जिससे समाज के सामूहिक प्रयास और अधिक प्रभावी बन सके हैं। श्री मनीषजैन अपने सौम्य व्यवहार, सहज उपलब्धता एवं समाजहित की सकारात्मक सोच के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते हैं। समाज के अनेक आयोजनों, सेवा कार्यों तथा जनहितकारी कार्यक्रमों में उनका सहयोग सदैव प्रेरणादायी रहा है।

श्री प्रकाशचन्द्र जैन एवं श्री सुनील जैन का जीवन इस बात का सशक्त उदाहरण है कि सच्ची सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि निरंतर कर्म और समर्पण से सिद्ध होती है। उन्होंने तन से सेवा, मन से समर्पण और धन से सहयोग देकर समाज सेवा की ऐसी प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की है जो सभी के लिए अनुकरणीय है। समाज के हित में जब भी किसी कार्य की आवश्यकता हुई, तब उन्होंने बिना किसी अपेक्षा के अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ जैन समाज के सभी पूज्य साधु-साध्वी भगवंतों की सेवा, आहार एवं विहार व्यवस्था में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। धर्मसंघ के प्रति उनकी श्रद्धा, विनम्रता और समर्पण भावना उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान है। जब भी किसी संत-महात्मा का नगर आगमन होता है, तब वे पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ व्यवस्थाओं, सेवा कार्यों तथा धर्म प्रभावना के कार्यक्रमों में सक्रिय रहते हैं। संतों की सेवा को वे अपना परम सौभाग्य मानते हुए पूरे समर्पण के साथ अपना योगदान देते हैं।

उनके नेतृत्व में समाज में धार्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी बढ़ी है। उन्होंने युवाओं को समाज और धर्म से जोड़ने, नई पीढ़ी में संस्कारों का संचार करने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यही कारण है कि समाज का युवा वर्ग भी उन्हें आदर्श और मार्गदर्शक के रूप में देखता है। ऐसे व्यक्तित्व किसी भी समाज के लिए ईश्वर का विशेष आशीर्वाद होते हैं। उनका समर्पण, सेवा और नेतृत्व आने वाले समय में भी समाज को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। जैन समाज को गर्व है कि उसे ऐसे कर्मयोगी, दूरदर्शी और समाजनिष्ठ नेतृत्वकर्ता प्राप्त हुए हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से सेवा और समर्पण का एक उज्ज्वल इतिहास रचा है।

अंत में यही कहा जा सकता है- समाज का उत्थान भाषणों से नहीं, बल्कि समर्पित व्यक्तित्वों के सतत प्रयासों से होता है।

श्री प्रकाशचन्द्र जैन (सांवेर वाले) एवं श्री सुनील जैन ऐसे ही यशस्वी व्यक्तित्व हैं, जिनकी सेवाएँ समाज के इतिहास में सदैव स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेंगी। उनका जीवन प्रेरणा है, उनका समर्पण समाज की शक्ति है और उनका नेतृत्व समाज की अमूल्य धरोहर है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि तीनों समाजरत्नों को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यश और निरंतर समाजसेवा की शक्ति प्रदान करें, ताकि उनके अनुभव, मार्गदर्शन और सेवा का लाभ समाज को निरंतर मिलता रहे तथा समाज प्रगति और संगठन के नए आयाम स्थापित करता रहे।

जिले में जनकल्याण शिविरों का आयोजन, विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं हितग्राही

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 12 जून से 18 जून 2026 तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

नगर पालिका परिषद झाबुआ एवं नगर परिषद राणापुर में आयोजित जनकल्याण शिविरों में नागरिकों ने सहभागिता कर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की तथा लाभ लिया।

जनपद पंचायत मेघनगर की ग्राम पंचायत नौगावा में आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही की गई।

जनपद पंचायत पेटलावद की ग्राम पंचायत दुलाखेड़ी में आयोजित जनकल्याण शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान उपस्थित रहे। जनपद पंचायत थांदला की ग्राम पंचायत जुलवानिया छोटा में आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, एसडीएम थांदला श्री भास्कर गाचले सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत रामा की ग्राम पंचायत रोटला में आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। वहीं जनपद पंचायत राणापुर की ग्राम पंचायत अंधारवाड़ में आयोजित शिविर में भी ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की एवं लाभ लिया।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन जनकल्याण शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण एवं योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही कर रहे हैं।

कलेक्टर ने निभाई चिकित्सक की भूमिका, ओपीडी में मरीजों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिटोल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, उपचार व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक की ड्यूटी जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कार्य हेतु लगाई गई है, जिसके कारण वे उस समय स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित नहीं थे। इस दौरान ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचे मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं को प्रतीक्षा करते देख कलेक्टर डॉ. भरसट ने स्वयं एक चिकित्सक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने ओपीडी में उपस्थित गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। उन्होंने गर्भावस्था की अवधि, नियमित जांच, पोषण, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने की समझाइश भी दी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की एएनसी संबंधी जानकारी का परीक्षण किया तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाने वाली ऑनलाइन प्रविष्टियों की भी समीक्षा की।

कलेक्टर की अध्यक्षता में बैंकों की जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा स्वरोजगार के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य है स्वरोजगार को बढ़ाकर जनता के जीवन स्तर में सुधार करना। स्टार्ट अप एवं अपने व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने के लिए युवा शासकीय योजनाओं के अंतर्गत बैंकों से ऋण लेने के लिए आवदेन करते है। अतः बैंके उदारता एवं लगन के साथ शासकीय प्रायोजित योजनाओं में हितग्राहियों को ऋण प्रदान करें, ताकि वे स्वयं का व्यापार-व्यवसाय शुरू कर शासन की योजनाओं की सार्थकता सिद्ध कर सकें। उन्होंने कहा कि ऋण प्रकरणों के निराकरण में कोई समस्या हो तो विभागीय समन्वय अधिकारी से संपर्क करें। बिना कारण ऋण योजनाओं के आवेदन लंबित न रखे। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने उक्त निर्देश शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागार में आयोजित बैंकों की जिला स्तरीय सलाहकार समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की समीक्षा करते हुए यह भी निर्देशित किया कि अधिक से अधिक लोगों को उक्त योजना से जोड़ा जाये। बैंक में आने वाले हितग्राहियों को योजना के लाभ बताये जाये कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्ति बीमा करा सकते है। मात्र 20 रुपये की प्रीमियम राशि पर दुर्घटना मृत्यु पर 2 लाख रुपये का बीमा राशि मिलती है। वही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 18 से 50 वर्ष के व्यक्ति को 436 रुपये की प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का बीमा राशि मिलती है।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संचालित स्वरोजगार योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित बड़वानी से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्ष 2026-27 हेतु संत रविदास स्वरोजगार योजना योजनान्तर्गत उद्योग विनिर्माण ईकाई के लिए राशि 1 से 50 लाख तक की परियोनाएं एवं सेवा (सर्विस) ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) हेतु 1 से 25 लाख तक की परियोजनाएं तथा ब्याज अनुदान 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमति रूप से ऋण भुगतान हेतु तथा म.प्र. शासन द्वारा गांरटी फीस देय होगी। पात्रता - योजना का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश होगा (अर्थात योजना का लाभ उन्हीं उद्यमों को देय होगा, जो मध्यप्रदेश सीमा के अन्दर स्थापित हों), आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो, आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य हो। (सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र सलंग्न करना होगा), आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वी कक्षा होनी चाहिए, आवेदन दिनांक को आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो, परिवार की वार्षिक आय रूपये 12 लाख से अधिक न हो, किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक/वित्तीय संस्था/सहकारी बैंक का चूककर्ता/अशोधी डिफाल्टर नहीं होना चाहिए, यदि कोई व्यक्ति किसी शासकीय उद्यमी/स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत सहायता प्राप्त कर रहा हो तो इस योजना के अन्तर्गत पात्र नहीं होगा, सिर्फ एक बार ही इस योजना के अन्तर्गत सहायता के लिए पात्र होगा, योजना उद्योग/सेवा व्यवसाय क्षेत्र के लिए होगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना - योजनान्तर्गत स्वरोजगार की स्थापना हेतु 10 हजार से 1 लाख तक की परियोजनाएं तथा ब्याज अनुदान 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षो तक नियमति रूप से ऋण भुगतान हेतु तथा म.प्र. शासन द्वारा गांरटी फीस देय होगी।

शासन के निर्देशन में शनिवार एवं रविवार को भी खुले रहेंगे विपणन संघ के खाद भंडारण केन्द्र

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशन में खरीफ मौसम 2026 के दौरान किसानों को रासायनिक उर्वरकों की सुगम एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विपणन संघ के चयनित खाद भंडारण केन्द्र आवश्यकता अनुसार शनिवार एवं रविवार सहित अवकाश के दिनों में भी संचालित किए जाएंगे। खरीफ फसलों की बोनी प्रारंभ होने के साथ उर्वरकों की मांग एवं उठाव में वृद्धि को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

जिला प्रशासन द्वारा खाद वितरण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों का सुचारू वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चयनित भंडारण केन्द्रों को अवकाश के दिनों में भी खोले जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

भंडारण केन्द्रों के संचालन एवं व्यवस्थाओं के लिए कृषि, राजस्व एवं जनपद पंचायत के मैदानी अमले का सहयोग लिया जाएगा। साथ ही किसानों को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अवकाश के दिनों में केन्द्रों के संचालन संबंधी व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

खाद वितरण केन्द्रों पर भीड़ नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार पुलिस बल की ड्यूटी तथा नियमित गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नगद खाद विक्रय से प्राप्त राशि के सुरक्षित रख-रखाव एवं निर्धारित खाते में समय पर जमा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

शासन के निर्देशानुसार चयनित खाद भंडारण केन्द्र अगस्त 2026 तक वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत अवकाश के दिनों में भी संचालित किए जा सकेंगे। इसके पश्चात व्यवस्था की समीक्षा कर मुख्यालय स्तर पर आगामी निर्णय लिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे ई-विकास प्रणाली के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अपनी आवश्यकता अनुसार उर्वरक प्राप्त करें तथा अनावश्यक भीड़ से बचें। जिले में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर ने जनकल्याण शिविरों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में लापरवाही पर जताई नाराजगी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शुक्रवार को जिले के क्लस्टर पिटोल बड़ी, कुंदनपुर, रजला, ढेकलबड़ी एवं करड़ावद बड़ी में आयोजित जनकल्याण शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया, हितग्राहियों से संवाद किया तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुंदनपुर, रजला एवं ढेकलबड़ी के शिविरों में व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जनकल्याण शिविर शासन की प्राथमिकता का कार्यक्रम है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 12 जून से 18 जून 2026 तक जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर व्यापक स्तर पर जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से 23 विभागों की 110 योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना, विभिन्न समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा शासकीय सेवाओं को नागरिकों तक सहज रूप से पहुंचाना है।

आयुष्मान कार्ड एवं समग्र आईडी निर्माण पर दिया जोर- पिटोल बड़ी शिविर में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी तथा संबल योजना से संबंधित कार्य नियमित रूप से किए जाएं तथा पात्र व्यक्तियों को सभी नवीन शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिए मैदानी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य किया जाए।

ई-टोकन व्यवस्था से मिलेगा पर्याप्त उर्वरक- पिटोल बड़ी एवं करड़ावद बड़ी शिविर में किसानों से संवाद करते हुए कलेक्टर ने उर्वरक वितरण की ई-टोकन व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों को आवश्यकता अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी किसान को प्रथम बार में कम मात्रा में उर्वरक प्राप्त होता है तो वह तीन दिन बाद पुनः ई-टोकन प्राप्त कर सकता है। इसके लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल एवं भूमि संबंधी जानकारी के आधार पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है तथा जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक भंडारित है। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

कलेक्टर ने कहा कि ई-टोकन व्यवस्था का उद्देश्य उर्वरकों का पारदर्शी एवं न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना है, जिससे वास्तविक किसानों को ही लाभ मिले तथा कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने किसानों से व्यवस्था में सहयोग करने का आग्रह किया।

हितग्राहियों से किया संवाद- रजला शिविर में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शिविर में पहुंचे हितग्राहियों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं एवं जनजागरूकता की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों से पूछा कि उन्हें जनकल्याण शिविर की जानकारी किस माध्यम से प्राप्त हुई तथा वे किस कार्य के लिए शिविर में आए हैं। कलेक्टर ने यह भी जाना कि उन्हें संबंधित योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी समय पर मिल रही है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

ढेकलबड़ी शिविर में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं प्राप्त आवेदनों की जानकारी प्राप्त की तथा लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

करड़ावद बड़ी शिविर में कलेक्टर ने महिला हितग्राहियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं, किसानों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। इस दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खरीफ मौसम की तैयारियों एवं ग्रीष्मकालीन मूंगफली फसल का किया गया अवलोकन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ मौसम 2026 की तैयारियों तथा ग्रीष्मकालीन मूंगफली फसल की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला झाबुआ श्री एन.एस. रावत द्वारा विकासखंड रामा एवं पेटलावद के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान उन्होंने कृषकों से संवाद कर फसलों की स्थिति एवं कृषि गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। क्षेत्र भ्रमण के दौरान विकासखंड रामा के ग्राम नारंदा में कृषक श्री सूरसिंह गणावा तथा विकासखंड पेटलावद के ग्राम टेमरिया में कृषक श्री रमेश एवं श्रीमती हेमा मेड़ा तथा ग्राम घुघरी (छायन पूर्व) में कृषक श्री दिलीप एवं श्री दशरथसिंह राठौर के खेतों में लगी ग्रीष्मकालीन मूंगफली फसल का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान मूंगफली की फसल संतोषजनक स्थिति में पाई गई तथा फसल में किसी प्रकार के कीट, व्याधि अथवा रोग का प्रकोप नहीं देखा गया। भ्रमण के दौरान उपस्थित कृषकों एवं मैदानी अमले को खरीफ मौसम की तैयारियों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। कृषकों को ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन के माध्यम से ही उर्वरक प्राप्त करने की सलाह दी गई, जिससे उर्वरक वितरण व्यवस्था सुचारू एवं पारदर्शी बनी रहे। उप संचालक श्री रावत ने किसानों को खरीफ फसलों की बोनी से पूर्व खेतों की उचित तैयारी करने, प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीज अधिकृत बीज विक्रेताओं से निर्धारित दर पर क्रय करने तथा बीज खरीदते समय पक्का बिल अवश्य प्राप्त करने की समझाइश दी।

वन अमले पर हमला, ट्रैक्टर का इंजन ले जाने का आरोप

अवैध लकड़ी परिवहन पर कार्रवाई के दौरान हुआ विवाद, एफआईआर की मांग

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान वन विभाग के अमले के साथ मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। वन परिक्षेत्र अधिकारी सुसनेर ने थाना प्रभारी को आवेदन देकर आरोपी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार 11 जून को मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने सुसनेर-पटपड़ा मार्ग पर लकड़ी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा था। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वन विभाग का दल जब जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को कार्यालय ले जा रहा था तभी धानियाखेड़ी पुल के समीप एक व्यक्ति ने मोटरसाइकिल लगाकर वाहन रोकने का प्रयास किया, जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। आरोप है कि इसके बाद वन विभाग के वाहन चालक बद्रीसिंह और बीट प्रभारी सुरेश प्रजापति के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की गई। साथ ही भीड़ का फायदा उठाकर ट्रैक्टर का इंजन निकालकर ले जाया गया।

वन विभाग का कहना है कि इस घटना से शासकीय कार्य में बाधा पहुंची और कर्मचारियों की जान को खतरा उत्पन्न हुआ। विभाग ने आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई तथा ट्रैक्टर इंजन बरामद करने की मांग की है।

वन विभाग के सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में लकड़ी माफिया लंबे समय से सक्रिय हैं और पूर्व में भी वन अमले के साथ विवाद एवं कार्रवाई में बाधा पहुंचाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विभाग का मानना है कि अवैध कटाई और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

इनका कहना-- वन विभाग का आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

-अक्षय सिंह बेस, थाना प्रभारी, सुसनेर

जामा मस्जिद में आमजन की सुविधा हेतु लगाया वाटर कूलर, नपाध्यक्ष प्रदीप सोनी ने किया शुभारंभ

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के दौर में आम नागरिकों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर के मध्य स्थित ज्योतिबा फुले सब्जी मंडी के सामने जामा मस्जिद परिसर में मुस्लिम समाज एवं मस्जिद कमेटी द्वारा वाटर कूलर स्थापित किया गया। वाटर कूलर का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में राहगीरों, व्यापारियों, ग्राहकों एवं आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना एक सराहनीय सामाजिक पहल है। जामा मस्जिद कमेटी द्वारा किया गया यह कार्य मानव सेवा और सामाजिक सद्भाव का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में बाजार क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने मुस्लिम समाज एवं मस्जिद कमेटी की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा जनहित में किए जाने वाले ऐसे कार्य समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति के लिए किए गए प्रयास निश्चित रूप से लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम में शहर काजी नवाब साहब, भय्यू भाई हेला, सलीम लाला, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, मुस्तफा खान, अशफाक खोकर, शेख नन्नू भाई, डॉ. अहसान मंसूरी सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए इसे समाज सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

वाटर कूलर स्थापना के बाद राहगीरों एवं बाजार क्षेत्र में आने वाले लोगों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुस्लिम समाज और मस्जिद कमेटी का आभार व्यक्त किया। यह सुविधा आगामी गर्मी के दिनों में आमजन को निरंतर उपलब्ध रहेगी, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिलेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र)

क्रमांक /50/विद्युत /2026 देवास दिनांक :- 08/06/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयाविधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_513845_1 08/06/2026	Comprehensive AMC of Traffic Signal Systems at y identified junctions in Dewas for two years.	1. दो वर्ष (24 माह) 2. रू 15,50,400.00	1.2,000.00 2. 46512/–	29/06/2026 06:00pm

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम देवास (म.प्र.)

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अंबोदिया फिल्टर प्लांट की मोटर बिगड़ी, पुराने शहर में पानी का संकट गहराया

तीन दिन से पर्याप्त नहीं भर रहीं टंकियां, कई इलाकों में कम प्रेशर से पहुंच रहा पानी- इंदिरानगर में फूटी पाइपलाइन से हजारों लीटर पानी बहा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच शहर की पेयजल व्यवस्था एक बार फिर लड़खड़ा गई है। अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर में खराबी आने से पुराने शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले तीन दिनों से पानी की टंकियां निर्धारित स्तर तक नहीं भर पा रही हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को कम प्रेशर से पानी मिल रहा है। कई क्षेत्रों में लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार शहर में पानी की उपलब्धता को लेकर कोई संकट नहीं है। गंभीर बांध में पर्याप्त जल भंडारण मौजूद है और नर्मदा परियोजना से भी नियमित सप्लाई हो रही है। इसके बावजूद तकनीकी खामियों और रखरखाव में लापरवाही के कारण जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। नगर निगम के जल प्रदाय तंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों में शामिल अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर पिछले तीन दिनों से ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है। मोटर की क्षमता घटने से पंपिंग प्रभावित हुई है, जिसके चलते पानी टंकियों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा। परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में जलापूर्ति का दबाव कम हो गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सुबह और शाम दोनों समय पानी का प्रेशर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम है। कई घरों में ऊपरी मंजिलों तक पानी नहीं पहुंच रहा, जिससे लोगों को अतिरिक्त इंतजाम करने पड़ रहे हैं।

अधिकारियों का दावा- जल्द सुधरेगी स्थिति- नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह के अनुसार अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर में तकनीकी खराबी आई है। विशेषज्ञों की मदद से मरम्मत कार्य कराया जा रहा है और एक-दो दिन में व्यवस्था पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है।

इंदिरानगर में तीन दिन से बह रहा पानी- शहर के इंदिरानगर क्षेत्र में भी पेयजल व्यवस्था की लापरवाही सामने आई है। यहां मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत नाला निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार कंपनी द्वारा खुदाई करते समय पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई थी। पाइपलाइन फूटने के बाद से लगातार हजारों लीटर पानी सड़कों पर बह रहा है, लेकिन तीन दिन गुजरने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका।

शुक्रवार को पीएचई विभाग के कर्मचारियों ने पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की, लेकिन सवाल यह है कि जल संरक्षण की बात करने वाले जिम्मेदार विभाग इतने लंबे समय तक पानी की बर्बादी रोकने में क्यों नाकाम रहे।

जल संकट के बीच तबादलों की चर्चा- इधर जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने के बीच शासन ने नगर निगम के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग में तबादले भी किए हैं। कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार का स्थानांतरण मंदसौर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह देवास से अमित सिंह को उज्जैन पदस्थ किया गया है।

इसके अलावा उपयंत्री आशीष जाट, रिद्म शाह, मनोज टिकलकर और प्रदीप बामनिया के भी तबादले हुए हैं। आशीष जाट और रिद्म शाह को उज्जैन में पदस्थ किया गया है, जबकि मनोज टिकलकर को देवास और प्रदीप बामनिया को मंदसौर भेजा गया है।

लोगों के सवाल बरकरार- शहर में पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध होने के बावजूद बार-बार तकनीकी खराबियों और रखरखाव की कमजोर व्यवस्था से जलापूर्ति प्रभावित होना नगर निगम और पीएचई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। गर्मी के इस मौसम में यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले दिनों में लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है।

बाल श्रम पर अभियान सिर्फ कागजों में, सडक़ों पर आज भी बचपन बेबस

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर भी महाकाल क्षेत्र, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भीख मांगते व काम करते दिखे सैकड़ों बच्चे, साल में एक-दो अभियान चलाकर भूल जाते हैं विभाग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक ओर 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया, वहीं दूसरी ओर शहर में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति की तस्वीरें सरकारी दावों की पोल खोल रही हैं। प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग समय-समय पर अभियान चलाकर बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराने के दावे तो करते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर आज भी सैकड़ों बच्चे भीख मांगते और मजदूरी करते दिखाई दे रहे हैं।

महाकाल मंदिर क्षेत्र, हरसिद्धि, रामघाट, देवासगेट बस स्टैंड, नानाखेड़ा बस स्टैंड तथा रेलवे स्टेशन के आसपास रोजाना बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चे भिक्षावृत्ति करते नजर आते हैं। वहीं कई बच्चे चाय की दुकानों, होटलों, गैराजों, ढाबों और छोटे कारखानों में भी काम करते देखे जा सकते हैं। यह स्थिति तब है जब बाल श्रम रोकने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा लगातार कार्रवाई किए जाने के दावे किए जाते हैं। जानकारों का कहना है कि अधिकांश मामलों में कार्रवाई अभियान तक सीमित रह जाती है। महिला और बाल विकास विभाग भी साल में एक-दो बार संयुक्त टीम बनाकर औपचारिक जांच की जाती है, कुछ बच्चों को रेस्क्यू कर लिया जाता है और उसके बाद मामला फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है। यही कारण है कि वर्षों से यह समस्या शहर में जस की तस बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि बाल श्रम या संकटग्रस्त बच्चों की सूचना देने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 चौबीसों घंटे उपलब्ध है। सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई भी की जाती है। इसके बावजूद शहर के प्रमुख धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर बाल भिक्षावृत्ति तथा बाल श्रम की स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। विशेषज्ञों का मानना है कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज और प्रशासन दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है। इस दिवस का उद्देश्य बच्चों को श्रम और भिक्षावृत्ति से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोडऩा है, ताकि उनका बचपन सुरक्षित रह सके। लेकिन जब सडक़ों पर हाथ फैलाते और दुकानों पर काम करते बच्चे आसानी से दिखाई दे रहे हों, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर अभियान और योजनाओं का लाभ इन बच्चों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है।

रोज छा रहे बादल, लेकिन बरस नहीं रहे, गर्मी से बेहाल लोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के आसमान पर रोजाना बादलों की आवाजाही हो रही है, लेकिन पानी नहीं बरस रहा। बादलों के कारण दिन का तापमान 40 डिग्री के नीचे आ गया है, लेकिन रात का पारा चढ़ गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि रविवार से शहर में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। कल भी बादलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी बादलों के कारण धूप की आंख-मिचौनी चलती रही। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा, लेकिन परसों की अपेक्षा 1.1 डिग्री कम था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और कल की अपेक्षा 0.2 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के मुताबिक शहर में रविवार से हल्की बारिश शुरू होने की संभावना है। बारिश का यह दौर लगातार जारी रहेगा। इस बीच मानसून भी उज्जैन में आमद दे सकता है। इसके कारण तापमान में कमी आएगी और लोगों को गर्मी के साथ ही जलसंकट से भी मुक्ति मिलेगी।

पीएचई रिकॉर्ड रूम पर गिरा पेड़, एक सप्ताह बाद भी नहीं हटा मलबा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास गेट स्थित पीएचई कार्यालय परिसर में तेज हवाओं के दौरान गिरा पुराना पेड़ अब विभाग के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पेड़ की बड़ी शाखा रिकॉर्ड रूम की छत पर गिरने से पतरे की छत क्षतिग्रस्त हो गई है। विभाग ने पेड़ हटाने के लिए नगर निगम को शिकायत की थी, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी पेड़ और शाखाएं परिसर से नहीं हटाई गई हैं।

पीएचई विभाग के अधिकारियों के अनुसार तेज हवा के कारण पुराना पेड़ गिर गया था। इसकी एक बड़ी शाखा रिकॉर्ड रूम पर आ गिरी, जिससे छत के पतरे टूट गए। इसके बाद विभाग ने नगर निगम को सूचना देकर गिरे हुए पेड़ को हटाने का आग्रह किया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है।

बारिश हुई तो रिकॉर्ड को नुकसान का खतरा- रिकॉर्ड रूम में विभाग की कई वर्षों पुरानी फाइलें और महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए हैं। क्षतिग्रस्त छत की मरम्मत नहीं होने और पेड़ नहीं हटाए जाने से बारिश के दौरान पानी अंदर जाने का खतरा बना हुआ है। इससे पुराने रिकॉर्ड और फाइलें खराब हो सकती हैं।

विभाग का कहना है कि बारिश शुरू होने से पहले पेड़ हटाना और छत की मरम्मत करना जरूरी है, ताकि रिकॉर्ड को सुरक्षित रखा जा सके। अब पीएचई विभाग नगर निगम की कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

नए साल के स्वागत के लिए बोहरा समाज कर रहा तैयारियां

15 जून को धर्मगुरु डॉ सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन लंदन में वाअज फरमाएंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दाऊदी बोहरा समाज का नया साल मिसरी कैलेंडर के अनुसार 1448 हिजरी सन् 15 जून सोमवार से शुरू होगा। नए साल की आमद से पहले समाज के घर-घर ड्राई फ्रूट व व्यंजनों के थाल सजाएं जाएंगे। इसकी तैयारियां बोहरा बाखलों में शुरु हो गई है।

मोहर्रम माह की पहली तारीख को दाऊदी बोहरा समाज में नया साल मनाने की परंपरा है। मोहर्रम माह की दूसरी तारीख से दाऊदी बोहरा समाज की हर मस्जिद में धर्मगुरु की रजा मुबारक से उनके प्रतिनिधि वाअज करेंगे। समाज के कुतुब फातेमी ने बताया कि दाऊदी बोहरा समाज मोहर्रम की 10 तारीख 24 जून को आशुरा के दिन अपना संपूर्ण कारोबार बंद रख मस्जिद में 1400 साल पहले पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब सल्लल्लाहो अलैहे वालेही वा सल्लम के नवासे इमाम हुसैन एवं उनके परिवार एवं रिश्तेदारो पर किए गए जुल्म-सितम के बयान किए जाएंगे।

आशुरा का दिन बोहरा समाज के लिए सबसे बड़ा गम का दिन होता है। इस दिन समाजजन इमाम हुसैन के गम में मातम कर अपने गम का इजहार करेंगे।

लंदन से वाअज फरमाएंगे धर्मगुरु- हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु डॉ सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन लंदन में मोहर्रम के 9 दिन इमाम हुसैन के गम में वाअज फरमाएंगे, जो समय-समय पर ऑडियो-वीडियो के जरिए उज्जैन में सभी बोहरा मस्जिदों में दिखाया एवं सुनाया जाएगा। सभी समाजजन आधे दिन कामकाज से छुट्टी लेकर वाअज में शामिल होंगे।

चुटकी भर नमक से शुरू करेंगे सेलिब्रेशन- बोहरा समाज में चुटकी भर नमक से शुरू किया जाता है भोजन। माना जाता है कि नमक आपके गट और पैलेट को साफ रखता है और कई बीमारियों से बचाता है। बोहरा समुदाय में लोग पांचों उंगलियों का इस्तेमाल कर ही भोजन करते हैं। समाज में मीठा खाकर ही बिस्मिल्ला किया जाता है। थाल में मौजूद मिठाई या डेजर्ट को मिठास कहते हैं, फिर स्टाटर्स और मेन कोर्स खाया जाता है।

ससुराल से गिरफ्त में आया फरार स्थाई वारंटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2021 में हुई चोरी की वारदात में शामिल बदमाश मुकेश पिता रामलाल परमार निवासी कुंजड़ा गली खाचरौद को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। जहां से जमानत मिलने के बाद वह फरार हो गया था। न्यायालय पेशी पर उपस्थित नहीं होने पर उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया था। पुलिस 2 सालों से उसकी तलाश में लगी थी।

बुधवार-गुरूवार रात सामने आया कि स्थाई वारंटी अपने ससुराल ग्राम बरथुन भाटपचलाना आया हुआ है। थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने प्रधान आरक्षक मुकेश राठौर, आरक्षक रवि बैरागी को गिरफ्तारी के लिये रवाना किया। जहां दबिश देकर फरार स्थाई वारंटी मुकेश परमार को हिरासत में लिया गया।

जिसे गुरूवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी नलवाया के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में 3 से 4 चोरी के मामले दर्ज है। जमानत मिलने के बाद उसने अपना ठिकाना बदल लिया था और बिरलाग्राम थाना क्षेत्र के बादीपुरा में रहने लगा था, वारंट जारी होने के बाद वहां से फरार हो गया था।

गड्ढा खोदकर पुलिस ने बरामद किए चोरी के आभूषण

तराना पुलिस की हिरासत में आए बदमाश से खुला कायथा चोरी का राज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनदहाड़े ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी करने वाले शातिर बदमाश से कायथा में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ है। बदमाश ने 2.14 लाख के आभूषण चोरी करने के बाद शाजापुर में दोस्त के खेत में गड्ढा खोदकर छुपा दिये थे।

कायथा थाना पुलिस ने बताया कि 25 मई को ग्राम बिरगोद में दिनदहाड़े सौदानसिंह के मकान में चोरी की वारदात होना सामने आया था। बिरगोद में कभी दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने नहीं आई थी। जिसके चलते मामले में संदेह बना था, बावजूद जांच शुरू की गई। सौदानसिंह से पूछताछ में सामने आया कि उसके गांव में 2 मकान है। वह तराना काम से गया था, पत्नी, बच्चे दूसरे मकान पर थे। जिस मकान में चोरी हुई उसकी कुंडी लगी थी। दोपहर में पत्नी दूसरे मकान से लौटकर आई तो उसने पेटी का ताला टूटा पाया था। जिसमें रखे पुस्तैनी आभूषण गायब थे। मामले की गंभीरता से जांच शुरू की गई। इस बीच पता चला कि तराना के ग्रामीण क्षेत्र में दिनदहाड़े चोरी करते ग्रामीणों ने माखन पिता चंदरसिंह 40 साल निवासी ग्राम हनौती थाना मक्सी जिला शाजापुर को पकड़कर तराना पुलिस के सुपुर्द किया है। बिरगोद में हुई चोरी का माखनसिंह पर होते ही उसे पूछताछ के लिये एसआई पवनसिंह कुशवाह, आरक्षक पवन वर्मा, सुल्तान, सुरेन्द्र पांडे की टीम पहुंची। माखन से सख्त पूछताछ में बिरगोद की चोरी का सुराग मिल गया। तराना पुलिस की पूछताछ के बाद माखनसिंह को प्रोटेक्शन रिमांड पर लिया गया। जिसे कायथा लाकर पूछताछ करने पर सामने आया कि उसने शाजापुर में ठिकाने लगाये है। आभूषण बरामद के लिये बदमाशों को शाजापुर ले जाया गया, जहां उसने बरगलाने का प्रयास शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद उसने कबूल किया कि दोस्त के खेत में गड्ढा खोदकर आभूषण छुपा रखे है। पुलिस टीम खेत पहुंची और उसके बताये स्थान पर खुदाई की गई। जहां से चोरी के पूरे आभूषण बरामद कर लिये गये। गुरूवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

तराना मे चोरी करते पकड़ा था बदमाश- तराना एसआई हरिराम अंगोरिया ने बताया कि उक्त बदमाश ग्राम बीजपड़ी में दिनदहाड़े चोरी करने पहुंचा था। उसने एक मकान का ताला तोड़कर आभूषण चोरी कर लिये थे, लेकिन भागने का प्रयास करते समय लोगों ने उसे पकड़ लिया था। उससे आभूषण बरामद किये गये। मकान मालिक को बुलाया गया और पूछताछ की गई तो सामने आया कि बदमाश जो आभूषण चोरी कर भाग रहा था वह आर्टिफिशल है। लेकिन उसने ताला तोड़कर वारदात की है। उक्त मामले में बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

तेजगति से दौड़ती लोडिंग कंटेनर से टकराई, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार सुबह गरोठ हाईवे पर तेज गति से दौड़ती लोडिंग का टायर फट गया। अनियंत्रित होने के बाद लोडिंग सामने खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसे में एक युवक की मौत हुई है ड्राइवर घायल है जिसका उपचार चरक अस्पताल में चल रहा है।

चरक अस्पताल में भर्ती घायल शिव पूजा पिता रामदीन यादव 35 साल निवासी पुणे महाराष्ट्र में बताया कि वह लोडिंग छोटा हाथी वाहन चलना है। जहां से सीआईटी कंपनी के कर्मचारी महेश के साथ नेटवर्किंग केबल लेकर दिल्ली गया था जहां से वापस लौट कर महाराष्ट्र जा रहे थे। उज्जैन झालावाड़ मार्ग गरोठ हाईवे पर आज सुबह अचानक लोडिंग का टायर फट गया और अनियंत्रित होकर सामने खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसे में महेश की मौके पर मौत हो गई वह भी पुणे का रहने वाला है उसे कंपनी द्वारा ही साथ भेजा गया था। दुर्घटना के बाद टोल नाके की एंबुलेंस दोनों को चरक अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद महेश का शव पोस्टमार्टम कक्ष भेज दिया। मामले की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई जहां मर्ग कायम कर मृतक के परिजनों को सूचना देने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्घटना के मामले में पान बिहार चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है। घायल और मृतक को दुर्घटना स्थल से उज्जैन चरक अस्पताल भेज दिया गया था। जिसके चलते स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है लेकिन दुर्घटना स्थल का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल इतनी जानकारी मिली है कि तुलाहेड़ा टोल के आसपास दुर्घटना हुई है। घटनास्थल की पुष्टि होते ही मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी गरोठ हाईवे तुलाहेड़ा टोल पर घटिया और राघवी थाने की सीमा लगती है।

खेत पर गए ग्रामीण की आधी रात को लाठियों से हत्या

नाली को लेकर पड़ोसियों से था विवाद, हिरासत में आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर से खेत पर गया ग्रामीण जब वापस नहीं लौटा तो भाई उसकी तलाश में निकाला खेत के रास्ते पर उसने बड़े भाई को घायल हालत में पड़ा देखा तत्काल परिजनों को सूचना देकर उपचार के लिए उज्जैन लाया गया, लेकिन ग्रामीण की मौत हो चुकी थी। हत्या की खबर मिलते ही रात में पुलिस में जांच शुरू की और आरोपियों को हिरासत में ले लिया जिनसे पूछताछ की जा रही है।

इंगोरिया के ग्राम बलेडी में रहने वाला राहुल पिता कालू सिंह 26 वर्ष खेत पर गया था जहां से देर रात तक वापस नहीं लौटा तो भाई शिव उसकी तलाश में घर से निकला। रात 12-30 बजे खेत के रास्ते पर राहुल घायल हालत में मिला जिसके सिर पर चोट के निशान थे। भाई शिवा ने परिजनों को सूचना दी और राहुल को उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला हत्या का होने की सूचना पुलिस को मिली तो रात में ही जांच के लिए मौके पर पहुंची। मृतक के परिजनों से पूछताछ की गई इस दौरान सामने आया कि राहुल की हत्या की गई है। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले भूरा और रोहित के साथ विशाल और दीपक पर हत्या का आरोप लगाया। रात में ही पुलिस ने चारों की तलाश की और भूरा के साथ रोहित को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में लाठी डंडों से हमला करने की जानकारी सामने आते ही मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया। थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक राहुल और रोहित के घर के बीच बनी नाली को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार को भी नाली का पानी फैलने की बात को लेकर इनके बीच मारपीट हुई थी। दोनों पड़ोसियों ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर जान से मारने की धमकी दी थी। दिन में विवाद का मामला शांत हो गया था और देर शाम राहुल खेत पर चला गया था जब वापस नहीं लौटा तो भाई उसकी तलाश में निकला था। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी होते ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

नामांकन अभियान में उज्जैन जिले ने राज्य स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के क्षेत्र में हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार और समाज का प्राथमिक दायित्व है। इसी संकल्प को साकार करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए नामांकन अभियान में उज्जैन जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले के सामूहिक प्रयास, मजबूत नेतृत्व और समुदाय की सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है।

शिक्षा पोर्टल 3.0 के आंकड़ों के अनुसार 5 जून 2025 तक जिले में कक्षा 1 से 8 तक का कुल नामांकन 92.57 प्रतिशत रहा। राज्य स्तरीय रैंकिंग में उज्जैन जिले ने 92.0 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अन्य जिलों का प्रदर्शन comparatively कम रहा। कक्षा-1 में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए जिले ने राज्य में प्रथम स्थान (98.0 प्रतिशत) प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा-5 से कक्षा-6 में ट्रांजिशन दर भी राज्य में सर्वोच्च (81.8 प्रतिशत) रही।

प्रयासों की रूपरेखा- जिला कलेक्टर महोदय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय और जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में अभियान को मिशन मोड में चलाया गया। कक्षा-1 और कक्षा-6 पर विशेष फोकस किया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों, महिला बाल विकास विभाग और शिक्षा पोर्टल से सूची प्राप्त कर हर बच्चे तक पहुंच बनाई गई। ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः स्कूल से जोड़ने के ठोस प्रयास किए गए।

जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी ने स्वयं प्रत्येक विकासखंड में जाकर बैठकों का आयोजन किया और अमले को प्रोत्साहित किया। प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद किया। गांवों में बाल सभा, रैली, नुक्कड़ नाटक और पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। विद्यालय स्तर पर अभिभावक बैठकें आयोजित की गईं। बालिकाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और स्कूल से वंचित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया गया। घटिया (95.27%), उज्जैन ग्रामीण (95.45%), उज्जैन शहरी (92.97%), तराना (92.89%) सहित सभी सातों विकासखंडों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश की टीम ने प्रयागराज महाकुंभ में किए फायर सेफ्टी प्रबंधन का प्रेजेंटेशन दिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित फायर सेफ्टी प्लानिंग की प्रारंभिक बैठक कलेक्टर सभागृह में आयोजित हुई। उत्तर प्रदेश की फायर सेफ्टी टीम के साथ प्रयागराज कुंभ 2025 में की गई फायर सेफ्टी प्रबंधन व्यवस्था का प्रेजेंटेशन देखा। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी (बुलंदशहर) श्री प्रमोद शर्मा और श्री अंशुल मित्तल फायर सेफ्टी अधिकारी (लखनऊ) ने प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने बताया उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 को फायर प्रूफ बनाने के लिए बेहतर प्रबंधन और रिस्पांस समय को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के दल के साथ शुक्रवार को मंथन किया गया। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी ने सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागृह में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश के दल ने बताया कि प्रयागराज कुंभ मेला 2025 को फायर सेफ्टी प्रबंधन के साथ सबसे कम समय में रिस्पांस करने के लिए भी जाना जाता है। किसी भी स्तर पर आग लगने की घटना में हमारा रिस्पांस समय 2 से 3 मिनट रहा है और ऐसी व्यवस्थाएं उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के आयोजन में भी की जाना है। प्रेजेंटेशन के दौरान फायर सेफ्टी अधिकारी श्री प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रयागराज कुंभ के दौरान सभी अखाड़ों में एक-एक फायर सेफ्टी टीम तैनात की गई थी। इसी के साथ 54 फायर स्टेशन और 27 फायर पोस्ट मेला क्षेत्र में बनाई गई थी। हर एक किलोमीटर के दायरे में एक फायर स्टेशन रखा गया था। ट्रिपल स्टेज रिस्पांस सिक्योरिटी सिस्टम को लागू किया गया था। इसी के साथ मेले क्षेत्र में 44 फायर टावर भी बनाए गए और लगभग 4870 फायर हाइड्रेंट मेला क्षेत्र में बनाए गए थे। प्रयागराज महाकुंभ 2025 का मेला एरिया 4 हजार हेक्टेयर का था जिसमें 1900 हेक्टेयर पार्किंग के लिए रखा गया था। मेला क्षेत्र में 450 किलोमीटर की आंतरिक सड़क बनाई गई थी और लगभग 20 लाख लोगों ने दो महीने कल्पवास भी प्रयागराज में किया था।

राज रॉयल कॉलोनी में मंदिर की टूटी मिली दानपेटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में बदमाशों ने चिमनगंज थाना क्षेत्र की राज रॉयल कॉलोनी में शिव मंदिर परिसर में लगी दान पेटी तोड़कर उसमें रखी राशि चोरी कर ली। शुक्रवार सुबह मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है।

राज रॉयल कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में शिव मंदिर बना हुआ है जो राजरायल कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए आस्था का केंद्र है। प्रतिदिन क्षेत्र के रहवासी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सुबह क्षेत्र के कुछ लोग दर्शन करने पहुंचे थे इस दौरान मंदिर परिसर में लगी दानपेटी टूटी होना सामने आई। उसमें रखी दान राशि भी गायब थी। मंदिर में हुई चोरी की खबर लगते ही रहवासी एकत्रित हो गए। मामले की सूचना मिलने पर चिमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस दौरान सामने आया कि पिछले डेढ़ 2 साल से दान पेटी नहीं खोली गई थी संभवत उसमें हजारों रुपए की राशि रखी थी। क्षेत्र वासियों ने आरोप लगाया कि रात में कॉलोनी के आसपास बदमाश और नशा खोरी करने वाले घूमते रहते हैं संभवत उन्होंने ने दान पेटी तोड़ने की वारदात की है। पुलिस का कहना था कि कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं। दान राशि चुराने वालों का जल्द पता लगा लिया जाएगा।